ज्येष्ठ शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 323 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 21-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार के उपमुख्यमंत्री ने नीट प्रश्न पत्र लीक विवाद को राजद से जोड़ा

6 बिहार में भ्रष्टाचार में बह रहे पुल

7 'अनोखा बंधन' के किरदार के लिए अपनी मां और सास से ली प्रेरणा : रिंकू घोष

फर्स्ट टेक

अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े एक धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश न्याय बिंदु ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक केजरीवाल को यह राहत दी। अदालत ने अरविंद केजरीवाल के जमानत आदेश पर 48 घंटे के लिए रोक लगाने का प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का आग्रह भी खारिज कर दिया। न्यायाधीश ने नियमित जमानत के लिए केजरीवाल द्वारा दायर किये गये आवेदन पर अभियोजन एवं बचाव पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश दिया।

रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर फिर हमला किया

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर हवाई हमले फिर से शुरू कर दिए हैं जबकि कीव की सेना ने सीमा पार ड्रोन से हमला कर एक बार फिर रूसी तेल सुविधाओं को निशाना बनाया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। लगभग 1,000 किलोमीटर की सीमा पर कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होने की सूचना के साथ युद्ध में दोनों पक्षों ने दूर स्थित बुनियादी ढांचा संबंधी लक्ष्यों को निशाना बनाया है। तीन महीने पहले हमलों में तेजी लाने वाले रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाकर सातवीं बार बड़ा हमला किया। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने मध्य और पूर्वी यूक्रेन में ऊर्जा सुविधाओं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर नौ मिसाइलें और 27 शाहिद ड्रोन दागे। इसमें कहा गया कि वायु रक्षा प्रणाली ने सभी ड्रोन और पांच क्रूज मिसाइलों को नष्ट कर दिया।

क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस पर 18.82 करोड़ रुपए का लगा जुर्माना

नई दिल्ली/भाषा। वित्तीय आसूचना इकाई (एफआईयू) ने धन शोधन रोधक कानून का कथित उल्लंघन करने के लिए दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज में से एक बाइनेंस पर 18.82 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एफआईयू ने बृहस्पतिवार को एक आदेश जारी कर एक्सचेंज पर धन शोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक रिपोर्टिंग इकाई के रूप में काम नहीं करने का आरोप लगाया। इसका संचालन एक वर्चुअल डिजिटल एसेट सेवा प्रदाता के रूप में है। आदेश में कहा गया है कि बाइनेंस को पहली बार पिछले साल 28 दिसंबर को नोटिस जारी किया गया था क्योंकि यह भारत में काम करता था और भारतीय ग्राहकों को सेवाएं देता था।

21-06-2024 सूर्यास्त 6:48 बजे	22-06-2024 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
77,478.93 (+141.34)	23,567.00 (+51.00)

सोना	चांदी
7,380 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,100 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युद्ध या खेल

भारत का मतलब युद्ध,
युद्ध को सदा समझते खेल।
खेल में भाव युद्ध के धार,
धार के संग परखते तेल।
तेल दुश्मन का सदा निकाल,
काल बन चढ़ते ऊँचे शैल।
शैल का शिखर हमारा लक्ष्य,
लक्ष्य की कसते रहे नकेल ।।

केंद्र, एनटीए को नीट परीक्षा रद्द करने संबंधी याचिकाओं पर नोटिस

शीर्ष अदालत ने देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष नीट 2024 परीक्षा से संबंधित कुछ लंबित याचिकाओं पर आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने 'राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी), 2024' में कथित अनियमितताओं को लेकर बढ़ते उपद्रव के बीच यह परीक्षा रद्द करने और इसकी अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध करने संबंधी याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को केंद्र, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और अन्य से जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष नीट 2024 परीक्षा से संबंधित कुछ लंबित याचिकाओं पर आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने एनटीए की चार अलग-अलग याचिकाओं पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इनमें उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। जैसे ही पीठ ने एनटीए की याचिकाओं पर नोटिस जारी किए, एजेंसी की ओर से पेश वकील ने आग्रह किया कि उच्च न्यायालय के समक्ष इन मामलों में कार्यवाही रोक दी जाए।

पीठ ने कहा, ''नोटिस जारी किया जाता है, जिसपर आठ जुलाई तक जवाब दाखिल करना होगा। इस बीच, उच्च न्यायालयों के समक्ष आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी।'' पीठ ने कई अन्य याचिकाओं पर भी विचार किया, जिनमें मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए उन 20 छात्रों की याचिका भी शामिल है, जो पांच मई को आयोजित परीक्षा रद्द करने का अनुरोध कर रहे हैं।

आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा : मोदी

वह दिन दूर नहीं जब जम्मू कश्मीर के लोग अपनी सरकार चुनेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीनगर में 1,500 करोड़ रुपये की 84 विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन किया।

श्रीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और वह दिन दूर नहीं जब केंद्र शासित प्रदेश के लोग अपनी सरकार का चुनाव करेंगे तथा अपना राज्य का दर्जा वापस हासिल करेंगे।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद घाटी के अपने पहले दौरे में मोदी ने श्रीनगर में 1,500 करोड़ रुपये की 84 विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन किया।

जम्मू क्षेत्र में हाल की आतंकी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए उन्होंने हमलों को अंजाम देने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान और 35 साल का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जम्मू कश्मीर के लोगों को बधाई दी और कहा कि वह दिन दूर नहीं जब आप अपने वोट के जरिए अपनी सरकार चुनेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप इसके लिए बधाई के पात्र हैं ... अब समय आ गया है कि जम्मू एवं कश्मीर के लोग अपने वोट के माध्यम से अपनी सरकार चुनें। इसके लिए विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी की जा रही है।

मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा भी बहाल किया जाएगा। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भारी मतदान के लिए जम्मू-कश्मीर के युवाओं की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने लोकतंत्र की जीत सुनिश्चित की है।

मोदी के नेतृत्व में होगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह

नई दिल्ली/एजेन्सी। दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में होगा जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में करीब सात हजार लोग योगाभ्यास करेंगे। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम श्रीनगर में डल के किनारे होगा। इस विशेष अवसर को मनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के साथ हजार से अधिक लोग प्रधानमंत्री के साथ श्रीनगर में डल झील के तट पर एकत्रित होंगे।

मोदी के काफिले पर चप्पल फेंकने की घटना निंदनीय : राहुल गांधी

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले पर वाराणसी में चप्पल फेंकने की घटना हुई है और वह इसकी निंदा करते हैं। गांधी ने इस घटना का जिक्र गुरुवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान भी किया था लेकिन बाद में उन्होंने यहां जारी बयान में इस घटना को निंदनीय बताया और कहा कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। उन्होंने लिखा एक और महत्वपूर्ण बात जो प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहनी रह गई। नरेंद्र मोदी और उनके काफिले पर चप्पल फेंका जाना बहुत ही निंदनीय है और उनकी सुरक्षा में गंभीर चूक है। गांधी ने कहा सरकार की नीतियों पर अपना विरोध गांधीवादी तरीके से दर्ज कराया जाना चाहिए, लोकतंत्र में हिंसा और नफ़रत की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था मोदी की कार पर वाराणसी में चप्पल फेंका गया और इसकी वजह यह है कि जो उनका काम करने का तरीका था उसे विपक्षी दलों ने अब ध्वस्त कर दिया है और उनकी 56 इंच का सीना अब 30,32 इंच का रह गया है।'

कल्लाकुरिचि में मेथनॉल मिश्रित अवैध देशी शराब पीने से अब तक 34 लोगों की मौत : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस मामले की जांच करने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी गोकुलदास के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग गठित करने का भी निर्देश दिया।

जहरीली शराब की बिक्री करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जान गंवाने वाले 34 लोगों के परिवारों को 10-10 लाख की आर्थिक मदद देने का ऐलान

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को बताया कि कल्लाकुरिचि जिले में मेथनॉल मिश्रित अवैध देशी शराब पीने से अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने अधिकारियों को इस मामले की जांच करने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी गोकुलदास के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग गठित करने का भी निर्देश दिया।

यह आयोग अवैध देशी शराब पीने से हुई मौत के कारणों की जांच करेगा। साथ ही ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों को लेकर सरकार से सिफारिशें करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जहरीली शराब की बिक्री करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने अवैध देशी शराब पीने से जान गंवाने वाले 34 लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। इसके अलावा, उन्होंने अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों को 50,000 रुपये की सहायता देने की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक इस मामले की जांच करने के बाद एक रिपोर्ट भी पेश करेंगे।

फर्जी खबर के मामले में

यूट्यूबर अजीत भारती को कर्नाटक पुलिस ने भेजा नोटिस

बेंगलूरु/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर के बारे में कथित तौर पर झूठी खबर फैलाने के आरोप में नोएडा स्थित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अजीत भारती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के कुछ दिनों बाद, बेंगलूरु पुलिस ने बृहस्पतिवार को उन्हें जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी की शिकायत के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। अजीत भारती ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर 13 जून को एक वीडियो साझा किया, जिसमें यूट्यूबर ने झूठा दावा किया था।

पटना उच्च न्यायालय ने

बिहार में आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए जाने के फैसले को रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली प्रदेश सरकार को तगड़ा झटका देते हुये पटना उच्च न्यायालय ने पिछले वर्ष दलितों, पिछड़े वर्गों और आदिवासियों के लिए सरकारी नौकरियों तथा शिक्षण संस्थानों में दिये जाने वाले आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 फीसदी किए जाने के इसके फैसले को बृहस्पतिवार को रद्द कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। इन याचिकाओं में नवंबर 2023 में राज्य सरकार द्वारा जाति आधारित गणना के बाद आरक्षण में वृद्धि को लेकर लाए गए कानूनों का विरोध किया गया था।

याचिकाकर्ताओं के वकीलों में से एक रितिका रानी ने कहा, ''अदालत ने हमारी याचिका पर मार्च में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था । संशोधनों (आरक्षण में वृद्धि को लेकर) ने संविधान के अनुच्छेद 14, 16 और 20 का उल्लंघन किया है। आज अदालत ने हमारी याचिकाएं स्वीकार कर लीं।''

दरअसल नीतीश कुमार सरकार ने पिछले साल 21 नवंबर को सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में वंचित जातियों के लिए आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने की सरकारी अधिसूचना जारी की थी।

बिहार सरकार द्वारा कराए गए जाति आधारित गणना के अनुसार राज्य की कुल आबादी में ओबीसी और ईबीसी की हिस्सेदारी 63 प्रतिशत है, जबकि एससी और एसटी की कुल आबादी 21 प्रतिशत से अधिक है।

सरकार का मानना है कि आरक्षण को लेकर उच्चतम न्यायालय की 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन केंद्र द्वारा ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण लागू किये जाने के कारण पहले ही हो चुका है।

भारत की सभ्यता और संस्कृति में संवेदनशीलता और समावेशिता की जड़ें काफी गहरी हैं : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत की सभ्यता और संस्कृति में संवेदनशीलता और समावेशिता की जड़ें मूल्यों के रूप में काफी गहरी समाई हुई हैं और इससे समाज की प्रगति को आंका जा सकता है।

मुर्मू ने यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान का दौरा किया। उन्होंने दिव्यांग बच्चों और छात्रों से बातचीत की। उन्होंने नवनिर्मित प्रोस्थेसिस एवं ऑर्थोसिस सेंटर का भी दौरा किया और रोगियों से बातचीत की और वहां शारीरिक रूप से दिव्यांग लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उपलब्ध उन्नत सुविधाओं का अवलोकन किया। राष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए समाज की प्रगति को आंकने में संवेदनशीलता और समावेशिता के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये मूल्य भारत की संस्कृति और सभ्यता में गहराई से निहित हैं। उन्होंने कहा, जब हमारे प्रयास दिव्यांगजनों की जरूरतों के प्रति समावेशी और संवेदनशील होते हैं, तो कोई भी शारीरिक स्थिति सामान्य जीवन जीने में बाधा नहीं बन सकती है। उन्होंने एथलीट दीपा मलिक, अरुणिमा सिन्हा और अवनी लेखरा और सामाजिक कार्यकर्ता के.एस. राजन्ना जैसे व्यक्तियों की उपलब्धियों को रेखांकित किया, जिन्होंने इस बात का उदाहरण पेश किया है कि कैसे समर्पण और दृढ़ संकल्प शारीरिक बाधाओं पर पार पा सकते हैं।

मुर्मू ने दिव्यांगजनों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण में संस्थान के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करते हुए दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने कर्मचारियों और सहयोगियों की अटूट प्रतिबद्धता और प्रयासों की भी सराहना की।

समावेशिता की जोरदार वकालत करते हुए राष्ट्रपति राष्ट्रपति संपदा में एमआईटीटीआई कैफे का उद्घाटन किया। कर्मचारियों के साथ अपना जन्मदिन मनाते हुए उन्होंने समावेशी समाज को बढ़ावा देने में कैफे की भूमिका पर जोर दिया।

भीषण गर्मी, लू से 110 लोगों की मौत, संदिग्ध तापघात के 40,000 से अधिक मामले आए सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इस वर्ष एक मार्च से लेकर 18 जून के बीच में देश के बड़े हिस्से में जारी भीषण गर्मी ने कम से कम 110 लोगों की जान ले ली और 40,000 से अधिक लोगों को संदिग्ध तापघात से जूझना पड़ा। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) द्वारा राष्ट्रीय गर्मी से संबंधित बीमारी और मृत्यु निगरानी के तहत जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित है। यहां लू और तापघात से करीब 36 लोगों की मौत हई है। उसके बाद बिहार, राजस्थान और ओडिशा में लोगों की जान गई हैं।

एक अधिकारिक सूत्र ने बताया, उपलब्ध आंकड़े राज्यों की ओर से दिए गए अंतिम आंकडें नहीं हैं। इसलिए यह संख्या बढ़ भी सकती है। जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, सिर्फ 18 जून को ही तापघात से छह लोगों की मौत हुई है।

उत्तर और पूर्वी भारत के अधिकांश इलाके लंबे समय से भीषण लू की चपेट में है, जिससे तापघात से होने वाली मौतों में वृद्धि हुई है और केंद्र को ऐसे मरीजों की देखभाल के लिए अस्पतालों में विशेष इकाईयां स्थापित करने का परामर्श जारी करना पड़ा है।

स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने बुधवार को निर्देश दिए कि सभी सरकारी अस्पतालों में 'विशेष लू इकाई' शुरू की जाए। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए की अस्पताल गर्मी से प्रभावित लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करें। उन्होंने लू और तापघात से निपटने के लिए अस्पतालों की तैयारी की समीक्षा की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों के तहत स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा लू के मद्देनजर राज्यों के स्वास्थ्य विभाग के लिए एक परामर्श जारी किया गया है। इसके तहत राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के अंतर्गत राज्य नोडल अधिकारियों से कहा गया है कि वे एक मार्च से तापघात के मामलों और मौतों तथा कुल मौतों के आंकड़ों को प्रतिदिन जारी करना शुरू करें, साथ ही गर्मी से संबंधित बीमारी और मृत्यु निगरानी के तहत उनकी जानकारी भी उपलब्ध कराएं।

दिल्ली में गर्मी की वजह से 24 घंटे में 22 लोगों की मौत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) और सफदरजंग समेत अन्य अस्पतालों में बीते 24 घंटे में संदिग्ध रूप से गर्मी की वजह से बीमार पड़े 22 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली में बीते कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है। हालांकि बृहस्पतिवार को सुबह हल्की बारिश होने से शहरवासियों को कुछ राहत मिली। दिल्ली के अस्पतालों में भीषण गर्मी की वजह से बीमार पड़े मरीज़ों की संख्या बढ़ रही है। सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, गर्मी की वजह से बीमार पड़े 33 मरीज़ों को भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटे में 33 में से 13 रोगियों की मौत हो गई है। आरएमएल अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि अस्पताल में बीते 24 घंटे में संदिग्ध रूप से गर्मी की वजह से बीमार पड़े 22 लोगों को भर्ती कराया गया जिनमें से पांच की मौत हो गई है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के बारे में कांग्रेस फैसला करेगी : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बारे में कांग्रेस फैसला करेगी क्योंकि सदन में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के विभिन्न घटकों में सबसे ज्यादा सांसद कांग्रेस के पास हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष के किसी सदस्य को लोकसभा का उपाध्यक्ष बनाए जाने के प्रयास किए जाएंगे, पवार ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी पिछली सरकार में इस नियम का पालन नहीं किया था। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा होगी, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि इसका कोई सार्थक नतीजा निकलेगा।

पवार महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 543 सदस्यीय लोकसभा के लिए हाल ही में संपन्न आम चुनाव में 240 सीट पर जीत हासिल की और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनाई। वहीं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के विभिन्न घटकों में कांग्रेस को सबसे ज्यादा 99 सीट पर कामयाबी मिली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, पहले हम इस बात पर सहमत थे कि यह पद सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी को मिलेगा। आज, कांग्रेस के पास लोकसभा में (विपक्षी दलों के बीच) सबसे अधिक सीट हैं, इसलिए वे तय करेंगे कि इस पद पर किसे नियुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस द्वारा फैसला किए जाने के बाद, उसे हमारे गठबंधन (इंडिया) की सहमति की आवश्यकता होगी।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) की सफलता को लेकर पवार ने दावा किया कि लोगों का प्रधानमंत्री मोदी पर से भरोसा उठ गया है और मोदी की गारंटी फर्जी साबित हुई। उन्होंने कहा, राज्य के लोग इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि पिछले पांच साल में उन्होंने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए।

कांग्रेस, उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) के गठबंधन एमवीए ने आम चुनाव में राज्य की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत हासिल की है।

राहुल गांधी को छात्रों के भविष्य से लेना-देना नहीं, सिर्फ राजनीति करनी है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर 'तुच्छ राजनीति' करने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र इस मामले को 'बेहद संवेदनशीलता' से देख रहा है और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले हर छात्र के साथ न्याय किया जाएगा।

सत्तारूढ़ दल ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर 'साजिश के तहत' झूठ फैलाकर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रही है, ताकि परीक्षा प्रणाली को सुचारू बनाने के सरकार के प्रयासों को बदनाम किया जा सके।

केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि बिहार में नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी के साथ सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संबंध को लेकर खुलासा होने के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस झूठ का सहारा ले रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट और नीट-यूजी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या तो पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे हैं, या फिर इसे रोकना नहीं चाहते हैं।''

राहुल ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं और सरकार चलाने के लिए संघर्ष करेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पलटवार करते हुए राहुल गांधी की टिप्पणी को 'कष्टदायी' करार दिया और कहा कि कांग्रेस नेता इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं क्योंकि छात्रों के भविष्य से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''नीट परीक्षा के मुद्दे पर सरकार पूरी तरीके से सतर्क है, संवेदनशील है। सरकार इस विषय को लेकर संकल्पबद्ध भी है कि लाखों छात्रों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए सरकार के मन में संवेदनशीलता भी है और सारी परिस्थितियों के ऊपर गहराई से नजर रखने की सतर्कता भी है। जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई होगी।''

त्रिवेदी ने कहा कि चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन है इसलिए सरकार अपने संवैधानिक दायित्व को भी समझती है। उन्होंने कहा कि न्यायालय का जो निर्देश होगा, उसके अनुसार जो प्रभावी कार्यवाही होगी वह करने के लिए सरकार पूर्णत: संकल्पबद्ध है।

राहुल गांधी पर चुटकी लेते हुये भाजपा नेता ने कहा कि जो अपने तीसरे प्रयास में 'थर्ड डीविजन' भी पास नहीं हो सका और 100 से कम सीटों पर सिमट गया, वह मेधावी छात्रों का प्रतिनिधि बनने का प्रयास कर रहा है।

गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब यह विषय न्यायालय के विचाराधीन है तो न्यायालय के विवेक से ऊपर अपना विवेक दिखाने का प्रयास करें तो यह साफ लगता है कि उन्हें लाखों छात्रों के भविष्य से कुछ लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, ''उन्हें सिर्फ इस विषय पर अपनी राजनीति करनी है। ठीक वैसे ही जैसे राजस्थान में डेढ़ दर्जन से अधिक पेपर लीक के मामले हुए थे, लेकिन राहुल गांधी ने एक भी शब्द नहीं बोला था।''

संवाददाता सम्मेलन में त्रिवेदी के साथ मौजूद भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी इस मामले को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी शिक्षा जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर ओछी सियासत कर रहे हैं।

राहुल गांधी प्रतीक हैं कि केवल उम्र बढ़ने से विवेक का विस्तार नहीं होता। वे चुनाव में तीसरी बार फेल हुए हैं तो इसका मतलब ये नहीं कि वे मध्य प्रदेश और गुजरात के युवाओं को गालियां देंगे।'' इससे पहले, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दावा किया था कि नीट-यूजी 2024 के कथित पेपर लीक के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी के राजद नेता तेजस्वी यादव से जुड़े अधिकारियों के साथ संबंध हैं और इसकी उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए।

डीआरआई ने वित्त वर्ष 2023-24 में 3,500 करोड़ रुपये मूल्य का प्रतिबंधित सामान जब्त किया

नई दिल्ली/भाषा। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2023-2024 में 3,500 करोड़ रुपये मूल्य के प्रतिबंधित सामान जब्त किए हैं, जिनमें मादक पदार्थों और सोने का अनुपात अपेक्षाकृत अधिक है। एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

राजस्व खुफिया निदेशालय के प्रधान महानिदेशक मोहन कुमार सिंह ने कहा कि आपूर्ति शृंखलाओं में घुसपैठ तस्करी पर अंकुश लगाने में एक महत्वपूर्ण चुनौती बनकर उभरी है। मादक पदार्थों और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी में हवाई यात्रियों, कूरियर और डाक कार्गो का इस्तेमाल किया जाना चिंता का विषय है।

सिंह ने ''अवैध व्यापार की चुनौतियों और आगे की राह'' विषय पर भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 में, डीआरआई ने तस्करी के 623 मामलों का पता लगाया, जो प्रतिदिन औसतन लगभग दो मामले हैं। इस वित्त वर्ष में 3,500 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई। इनमें सर्वाधिक जब्ती स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थों की हुई, जबकि दूसरे नंबर पर सोना रहा।''

सूत्रों के मुताबिक, राजस्व खुफिया निदेशालय ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,658 किलोग्राम सोना जब्त किया। यह पिछले साल जब्त किए गए सोने से 35 प्रतिशत अधिक है।

संगोष्ठी में सिंह ने कहा कि राजस्व खुफिया निदेशालय इस वित्त वर्ष में सिगरेट, लाल चंदन, नकली एवं विदेशी मुद्राएं तथा वन्यजीव उत्पादों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए भी निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि 'अवैध सीमा व्यापार' अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है, इसलिए प्रवर्तन एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ वैश्विक सहयोग इससे निपटने का एक तरीका है।

महाराष्ट्र में पहाड़ी पर स्थित झरने से नौ 'पर्वतारोहियों' को बचाया गया

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पनवेल के निकट बारिश के बीच 'पर्वतारोहण' के दौरान एक पहाड़ी पर स्थित झरने के पास फंसी आठ महिलाओं समेत नौ युवकों को बृहस्पतिवार को बचा लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राज्य सरकार की योजना 'एजेंसी' सिडको के मुख्य सतर्कता अधिकारी सुरेश मेंगड़े ने बताया कि 18 से 20 वर्ष की आयु के ये युवा एक 'पर्वतरोहण' समूह के सदस्य थे और पनवेल-माथेरान मार्ग पर अदाई गांव के निकट पहाड़ी पर पैदल यात्रा के लिए गए थे, इस दौरान वे सुबह झरने के पास फंस गए। उन्होंने बताया कि सिडको के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अग्निशमन विभाग के कर्मियों को सुबह नौ बजकर 40 मिनट पर फोन के जरिये पर्वतारोहियों के एक समूह के झरने पर फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई।

जम्मू-कश्मीर : लश्कर से जुड़े थे बारामूला मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये दोनों आतंकवादी पाकिस्तानी थे और लश्कर ए तैयबा (एलईटी) से जुड़े हुए थे। सेना ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय राइफल्स सेक्टर सात के कमांडर ब्रिगेडियर दीपक मोहन ने राफियाबाद में संवाददाताओं को बताया, ''मारे गये आतंकवादियों की पहचान उस्मान और उमर के रूप में हुई है और दोनों ही पाकिस्तानी मूल के हैं। दोनों ही एलईटी से जुड़े हुए थे।''

उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया था और दो सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे।

सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद बारामूला के वाटरगाम इलाके में सुबह घेराबंदी कर खोज अभियान शुरू किया था। आतंकवादियों के सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाने के बाद खोज अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया।

ब्रिगेडियर ने कहा कि उस्मान वर्ष 2020 से कश्मीर घाटी में सक्रिय था।

सेना के अधिकारी ने बताया कि अभियान के बाद बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सप्ताह से बारामूला जिले के सोपोर-राफियाबाद इलाके में एक आतंकवादी समूह की गतिविधियों की लगातार सूचना मिल रही थी।

अधिकारी ने बताया कि बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से विशेष खुफिया जानकारी मिली कि रफियाबाद इलाके के हादीपुरा गांव के एक घर में दो आतंकवादी छिपे हुए हैं।

ब्रिगेडियर देव ने बताया कि इसके बाद भारतीय सेना, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने संयुक्त अभियान चलाया और इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि नागरिकों को मकानों से सुरक्षित निकाला गया तथा पूरे इलाके की छानबीन की गई। इस दौरान आतंकवादियों ने गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए।

ब्रिगेडियर देव ने दोनों आतंकवादियों के मारे जाने को सुरक्षा बलों के लिए एक और बड़ी सफलता करार दिया।

अनचाही कॉल, एसएमएस पर लगाम के लिए दिशानिर्देशों का मसौदा जारी

सरकार उपभोक्ता हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, खासकर तेजी से बढ़ रहे व्यापक उपभोक्ता क्षेत्र में। दिशानिर्देशों के मसौदे का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आक्रामक और अनधिकृत विपणन से बचाना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को प्रचार-प्रसार संबंधी फोन कॉल और एसएमएस जैसे अनचाहे एवं अवांछित कारोबारी संचार पर लगाम लगाने से संबंधित दिशानिर्देशों के मसौदे पर 21 जुलाई तक टिप्पणियां आमंत्रित कीं।

दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और नियामकों सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद तैयार किए गए इन दिशानिर्देशों में व्यक्तिगत संचार को नहीं रखा गया है। इसमें 'कारोबारी संचार' को प्रचार और सेवा संदेशों जैसी वस्तुओं या सेवाओं से संबंधित किसी भी संचार के रूप में परिभाषित किया गया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये दिशानिर्देश कारोबारी संचार से जुड़े सभी व्यक्तियों और संस्थाओं पर लागू होंगे।

दिशानिर्देशों के मसौदे के मुताबिक, व्यक्ति की रजामंदी या पंजीकृत प्राथमिकताओं का ध्यान न रखने वाला कोई भी कारोबारी संचार अनचाहे और अवांछित के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

इसके अलावा अपंजीकृत नंबर या एसएमएस हेडर का उपयोग करना, कॉल न आने का विकल्प चुनने के बावजूद कॉल करना, डिजिटल सहमति न लेना, कॉल करने वाले और उद्देश्य की पहचान न करना और सहमति बंद करने का विकल्प न देने जैसी स्थितियां भी अनचाही और अवांछित कारोबारी संचार की श्रेणी में रखी जाएंगी।

इनमें ऐसे संचार पर भी रोक लगाने का प्रावधान है जो ग्राहक वरीयताओं के आधार पर वाणिज्यिक संदेशों पर दूरसंचार नियामक ट्राई के नियमों का उल्लंघन करते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के 2018 के नियम पंजीकृत टेलीमार्केटिंग कंपनियों के लिए 'डू नॉट डिस्टर्ब' (डीएनडी) पर पंजीकरण असरदार रहा है, लेकिन 10-अंक वाले निजी नंबरों का उपयोग करने वाले अपंजीकृत मार्केटिंग कंपनियों से कॉल एवं संदेश आने जारी हैं।

मंत्रालय ने कहा, ''सरकार उपभोक्ता हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, खासकर तेजी से बढ़ रहे व्यापक उपभोक्ता क्षेत्र में। दिशानिर्देशों के मसौदे का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आक्रामक और अनधिकृत विपणन से बचाना है।

अजित पवार के समय से आ जाने के कारण ही महायुति लोकसभा चुनाव में बच गयी : राकांपा

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने बुधवार को दावा किया कि उसके नेता अजित पवार के 'समय पर' महायुति में शामिल हो जाने से सत्तारूढ़ गठबंधन लोकसभा चुनाव में 'बच गया'।

राकांपा प्रवक्ता अमोल मितकारी ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के नेता गठबंधन में 'मतभेद' पैदा करने की कोशिश क्यों कर रहे हैं?

वह शिवसेना के नेता रामदास कदम के बुधवार के दावे की ओर इशारा कर रहे थे। कदम ने कल एक कार्यक्रम में कहा था कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार 'पिछले दरवाजे से' सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हो गये थे।

सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति ने हाल के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 में 17 सीट जीती हैं। भाजपा ने नौ , शिवसेना ने सात और राकांपा ने एक सीट जीती है।

कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की राकांपा (एसपी) वाले विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी ने 30 सीट जीती हैं। अजित पवार पिछले साल जुलाई कई अन्य विधायकों के साथ राज्य की शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल हो गये थे।

उद्योग जगत का वित्त मंत्री से कर बोझ कम करने, पूंजीगत व्यय बढ़ाने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग जगत ने बृहस्पतिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बजट में आम लोगों पर कर बोझ को कम करने, पूंजीगत व्यय जारी रखने और खाद्य वस्तुओं की महंगाई को काबू में लाने के लिए उपाय करने का आग्रह किया।

सीतारमण के साथ बजट से पहले परामर्श बैठक में उद्योग प्रमुखों और संगठनों ने सरकार से आर्थिक वृद्धि की गति बनाये रखने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया।उद्योग जगत ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और रोजगार के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाने वाले एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम) क्षेत्र को बढ़ावा देने की भी बात कही।

उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ के अध्यक्ष संजीव पुरी ने आय स्लैब के निचले स्तर पर आयकर के मोर्चे पर राहत, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी रोजगार प्रोत्साहन योजनाओं को दुरुस्त करने और कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। साथ ही कृषि और ग्रामीण विकास के लिए भी अपने सुझाव दिए।

उद्योग मंडल फिक्की ने पूंजीगत व्यय की गति बरकरार रखने, नवोन्मेष और कर सरलीकरण जैसे सुझाव दिये।

फिक्की के पूर्व अध्यक्ष शुभ्रकांत पांडा ने मांग में तेजी लाने, बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर देने, खाद्य मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए और उपाय करने, एमएसएमई का समर्थन करने और देश में नवोन्मेष और अनुसंधान एवं विकास को प्राथमिकता देकर विकास की गति को समर्थन जारी रखने की आवश्यकता बतायी।

बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की राष्ट्रीय राजकोषीय मामलों और कराधान समिति के अध्यक्ष विवेक जालान ने इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के आयात के लिए लाइसेंसिंग जरूरतों को आसान बनाने का सुझाव दिया।

वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट अगले महीने संसद में पेश किये जाने की उम्मीद है।

गेहूं की कीमतों में स्थिरता के लिए नीतिगत हस्तक्षेप पर विचार कर रही है सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह देश में उपभोक्ताओं के लिए गेहूं की कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त नीतिगत हस्तक्षेप करेगी।

गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंत्रियों की समिति की बैठक के बाद सरकार ने कहा कि उसने अधिकारियों को गेहूं की कीमतों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, गेहूं और गेहूं के आटे की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में दो रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी हुई है।

आंकड़े दर्शाते हैं कि, 20 जून तक गेहूं का औसत खुदरा मूल्य 30.99 रुपये प्रति किलोग्राम था, जो एक साल पहले 28.95 रुपये था, जबकि गेहूं के आटे की कीमत पिछले साल 34.29 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 36.13 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

मंत्रियों ने बैठक के दौरान गेहूं के स्टॉक और कीमतों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बयान में कहा, ''केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिया कि गेहूं की कीमतों पर कड़ी नजर रखी जाए और देश के उपभोक्ताओं के लिए मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त नीतिगत हस्तक्षेप किए जाएं।''

इसमें आश्वासन दिया गया है कि सरकार ने पिछले वर्ष की तुलना में केंद्रीय पूल के लिए थोड़ा अधिक गेहूं खरीदा है।

मंत्रालय ने कहा, ''पीडीएस और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की आवश्यकता को पूरा करने के बाद, जो लगभग 1.84 करोड़ टन है, बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए गेहूं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।''

इस साल 18 जून तक, सरकार ने एक अप्रैल से शुरू हुए 2024-25 रबी विपणन वर्ष में केंद्रीय पूल के लिए 2.66 करोड़ टन गेहूं खरीदा था, जो पिछले वर्ष के 2.62 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है।

कांच की चूड़ियों के उद्योग के लिए नई चुनौती बना जलवायु परिवर्तन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फिरोजाबाद (उप्र)/भाषा। अगली दफ़ा जब आप किसी युवती या महिला के हाथों में या फिर दुकान पर चमचमाती चूड़ियों को देखें तो एक बार जलवायु परिवर्तन के बारे में जरूर सोचियेगा।

यह कल्पना से परे नहीं बल्कि लाखों मजदूरों की जीती-जागती हकीकत है, जो बढ़ते तापमान की मार और भट्ठी से निकलती गर्मी को झेलने के साथ-साथ शरीर में कई बीमारियों को पालने के लिए मजबूर हैं।

'चूड़ियों के प्रसिद्ध शहर' फिरोजाबाद में कारीगर पीढ़ियों से भट्ठी की गर्मी को झेलते हुए कांच से चूड़ियां बनाते रहे हैं। काम करने के लिए परिस्थितियां पहले से ही खतरनाक थीं और अब इन मजदूरों का नया दुश्मन है जलवायु परिवर्तन।

जलवायु परिवर्तन एक हजार करोड़ रुपये के इस उद्योग के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। इस उद्योग से करीब पांच लाख लोग अपनी गुजर बसर कर रहे हैं।

इस पारंपरिक उद्योग में काम करने वाली आस्था देवी पिछले एक महीने में दो बार अस्पताल में भर्ती हो चुकी हैं। आस्था को बार-बार शरीर में पानी की कमी की शिकायत से जूझना पड़ा और अब उन्हें लगता है कि न जाने कब तक उनका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

आस्था (35) ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''ऐसा लगता है कि जैसे कि हम नरक में काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''पहले हमें सिर्फ गर्मी ही झेलनी पड़ती थी लेकिन अब बढ़ता तापमान असहनीय होता जा रहा है। हममें से कई लोग बीमार पड़ गये लेकिन हमारे पास काम करने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं है। हालांकि अब डर सताता है कि कितने दिन और?''

चूड़ियों के कारखाने आमतौर पर छोटे-छोटे घरों में बने होते हैं, जहां हवा के आने-जाने के लिए न तो उचित जगह होती है और न ही इकाई को ठंड करने के लिए कोई दूसरा साधन। जब गर्मी का मौसम अपने चरम पर होता है तो इन कारखानों के अंदर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तक पहुंच जाता है।

इस गर्मी में जब बाहर का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तब फैक्टरी के अंदर 50 डिग्री सेल्सियस का तापमान अंदर काम कर रहे लोगों को झुलसा देने के लिए काफी है।

कारखानों में काम कर रहे लोग अक्सर गर्मी से थक जाते हैं, उनके शरीर में पानी की कमी हो जाती है और उन्हें गर्मी से संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ता है। राजेश कुमार (22) ने कहा, ''दोपहर होते-होते मुझे लगना लगता है कि मेरा दम घुट रहा है। मेरा सिर घूमने लगता है और मेरी खाल झुलसने लगती है। हम बहुत सारा पानी पीते हैं लेकिन वह पर्याप्त नहीं होता। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि मैं बस गिरने ही वाला हूं।''

युवक ने कहा, ''कभी-कभी तो हमें सांस लेने के लिए उठना पड़ता है। हमारे साथ काम करने वाले बुजुर्गों के लिए तो और भी मुश्किल होती है क्योंकि वे पहले से ही बीमारियों से जूझ रहे होते हैं।''

मधुमेह रोगी 50 वर्षीय कमलेश चूड़ी के कारखाने में भट्ठी पर काम करते हैं। उनका कहना है, ''शरीर में पानी की कमी के कारण हममें से कई को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। अस्पतालों में हमें सिर्फ खारे पानी (सेलाइन वाटर) की नली लगायी गयी और हम भी सिर्फ उसका ही खर्चा उठा सकते हैं। मैं 300 रुपये रोज कमाता हूं। इतनी कम आय में कैसे अस्पताल का भुगतान कर सकते हैं।'' 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप' के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और अल नीनो प्रभाव ने भारत सहित पूरे एशिया में इस बार भीषण गर्मी में बहुत योगदान दिया है। वर्ष 2024 में हर महीने गर्मी के वैश्विक रिकॉर्ड टूट रहे हैं। यह प्रवृत्ति वर्ष 1850 के बाद से रिकॉर्ड किए गए इस साल सबसे गर्म जनवरी से शुरू हुई। उसके बाद मार्च का महीना सबसे गर्म रहा और अब मई 2024 में लगातार 12वें महीने रिकॉर्ड तोड़ने वाला तापमान दर्ज किया गया।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कांच के कामगारों के लिए दीर्घकालिक निहितार्थों पर चिंता व्यक्त की है।

स्थानीय चिकित्सक डॉ. साजिद अहमद ने कहा, ''लंबे समय तक भीषण गर्म तापमान में रहने से हृदय रोग और अस्थमा सहित कई जटिल स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।''

साजिद के पास चूड़ी के कारखानों में काम करने वाले लोग इलाज के लिए आते रहते हैं। उन्होंने कहा, ''हम लू लगने, सांस लेने में दिक्कत और शरीर में पानी की कमी के मामलों में वृद्धि देख रहे हैं।

गुरुवार को बेंगलूरु में विधान सौधा परिसर में स्थापित होने वाली 25 फीट ऊंची नाडदेवी भुवनेश्वरी की कांस्य प्रतिमा की स्थापना के भूमि पूजन कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं अन्य।

कर्नाटक में रह रहे लोगों को कन्नड़ सीखनी चाहिए : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बृहस्पतिवार को लोगों से अपनी मातृभाषा बोलने में गर्व महसूस करने का अनुरोध करते हुए कहा कि कन्नड़ भाषा, भूमि और जल को बचाना हर कन्नडिगा का दायित्व है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में रह रहे लोगों को कन्नड़ सिखना चाहिए। उन्होंने राज्य में कन्नड़ माहौल' बनाने की जरूरत पर बल दिया।

यहां विधान सौधा के परिसर में कर्नाटक की देवी भुवनेश्वरी की 25 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा के निर्माण के लिए 'भूमि पूजा' करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी मातृभाषा बोलना गर्व का विषय होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''एक संकल्प लिया जाए कि राज्य में कन्नड़ के सिवा कोई भाषा नहीं बोली जाए। कन्नडिगा उदार होते हैं। यही कारण है कि कर्नाटक में ऐसा माहौल है कि जो दूसरी भाषाएं बोलते हैं, वे भी कन्नड़ सीखे बिना रह सकते हैं। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल में ऐसी स्थिति नजर नहीं आ सकती है। वे बस अपनी मातृभाषा में ही बोलते हैं।''

कन्नडिगाओं से अपनी मातृभाषा में बोलने का अनुरोध करते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि इसे लेकर हीनता का बोध नहीं पालने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमें भी अपनी मातृभाषा में बोलना है। उससे हमें गर्व महसूस करना चाहिए।''

कर्नाटक में रह रहे लोगों से कन्नड़ सीखने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''कन्नड़ माहौल तैयार करना हम सभी का दायित्व है। उसके लिए यहां रहने वाले सभी लोगों को कन्नड़ सीखना चाहिए। हम उस तरह चुप नहीं रह सकते। कन्नड़ ढीठ नहीं होते हैं। लेकिन कन्नड़ के प्रति प्यार विकसित किया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''अन्य राज्यों की भांति हमें हठधर्मी नहीं बनना चाहिए। लेकिन हमें अपने अंदर अपनी भाषा, भूमि और अपने देश के प्रति सम्मान एवं प्रशंसा (का भाव) विकसित करना चाहिए।''

रेणुकास्वामी हत्याकांड

अभिनेता दर्शन एवं अन्य तीन आरोपियों की पुलिस हिरासत दो दिन बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां की अदालत ने रेणुकास्वामी हत्याकांड में बृहस्पतिवार को कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीप एवं तीन अन्य आरोपियों की पुलिस हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ा दी। धनराज, विनय और प्रदोष तीन अन्य आरोपी हैं जिनकी पुलिस हिरासत बढ़ायी गयी है। तेरह अन्य आरोपियों को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उनमें दर्शन की मित्र पवित्रा गौड़ा भी शामिल हैं। इस हत्याकांड में कुल 17 आरोपी हैं। सभी आरोपियों को उनकी पुलिस हिरासत बृहस्पतिवार को खत्म हो जाने पर अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विश्वनाथ सी गौदार के सामने पेश किया गया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार रेणुकास्वामी ने दर्शन की दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे जिससे अभिनेता नाराज हो गये थे, फलस्वरूप उसकी (रेणुकास्वामी) कथित रूप से हत्या कर दी गयी। नौ जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के समीप एक नाले में रेणुकास्वामी का शव मिला था। रेणुकास्वामी दर्शन का प्रशंसक था। पुलिस ने दावा किया है कि दर्शन ने प्रदोष को शव को ठिकाने लगाने के लिए 30 लाख रुपये देने की बात कबूली है। पुलिस के अनुसार दर्शन यह पैसा देकर यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि इस हत्याकांड में उनका नाम सामने न आए।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि प्रदोष के घर से यह धनराशि बरामद कर ली गयी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, इस मामले में आरोपी दर्शन ने पुलिस को दिये बयान में कहा है कि उन्होंने शव को ठिकाने लगाने और यह सुनिश्चित करने के लिए उनका नाम कहीं न आए, प्रदोष को 30 लाख रुपये दिए थे। उन्होंने कहा, ''कथित हमले में इस्तेमाल की गयी लाठी और डंडे जैसी चीजें घटनास्थल से बरामद की गयी हैं। वहां से पानी की बोतल, खून के दाग, सीसीटीवी फुटेज वाली डीवीआर एवं अन्य सबूत भी मिले हैं।'' उन्होंने कहा कि शव को ठिकाने लगाने के लिए कथित रूप से जिस गाड़ी में ले जाया गया, उसमें भी खून के निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक रेणुकास्वामी की जान उसपर लाठीडंडों और अन्य चीजों से किये गये प्रहार की चोट की वजह से गयी।

अधिकारी ने कहा, 'विसरा नमूने को आगे के विश्लेषण के लिए अपराध विज्ञान प्रयोगशाला में भेजे गये हैं।' सूत्रों ने बताया कि राघवेंद्र नामक एक आरोपी इस बहाने से रेणुकास्वामी को यहां आर आर नगर में एक आड़ में लाया कि दर्शन उससे मिलना चाहते हैं और वहां उसे कथित रूप से मारा-पीटा गया और उसकी हत्या कर दी गयी। राघवेंद्र चित्रदुर्ग में दर्शन के 'फैनक्लब' का हिस्सा है। सूत्रों ने बताया कि समझा जाता है कि जांच दल सीसीटीवी फुटेज समेत पर्याप्त सबूत जुटा लिया है जिससे यह स्थापित हो सकता है कि रेणुकास्वामी पर कथित हमले के समय दर्शन वहीं मौजूद थे । इस हमले के फलस्वरूप रेणुकास्वामी की जान गयी थी।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने इस हत्या को भयंकर तरीके से अंजाम तक पहुंचाया गया 'घृणतम अपराध' बताया है। उन्होंने इस सप्ताह के प्रारंभ में कहा था, ''... व्यक्ति को बड़े ही नृशंस एवं बर्बर तरीके से मार दिया गया।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भारत में प्रवेश की अनुमति मांगने वाले इराकी नागरिक की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भारत में प्रवेश की अनुमित दिये जाने की मांग करने वाली इराकी नागरिक की याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने वीजा उल्लंघनों और काली सूची में डाले जाने के अपने दर्जे का हवाला देते हुए प्रवेश देने की मांग की थी।

सगाद करीम इस्माइल ने अपने नाम के अक्षरों को कथित तौर पर बदला था, अपने वीजा स्टिकर के साथ छेड़छाड़ की थी और पिछली यात्राओं के दौरान अधिक समय तक रहने के कारण काली सूची में डाले जाने की स्थिति से बचने के लिए चिकित्सा उपचार की आवश्यकता के फर्जी दावे किए थे।

इराक की राजधानी बगदाद के रहने वाले 33 वर्षीय व्यक्ति ने यहां के अपने वकील मुंतंधेर अहमद के जरिये याचिका दाखिल की थी, जिसमें उसने विदेश मंत्रालय को फरवरी 2024 के अपने आवेदन के अनुसार चिकित्सा उपचार के लिए वीजा जारी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने तय समय से ज्यादा वक्त तक ठहरने के लिए काली सूची में डाले जाने के बावजूद भारत में दोबारा प्रवेश देने के बार-बार प्रयासों पर संज्ञान लेते हुए याचिका खारिज कर दी और चिकित्सा उपचार के दावों को 'फर्जी' करार दिया। इस्माइल पहली बार 2012 में 'फार्मेसी' पाठ्यक्रम के लिए बेंगलुरु आया था लेकिन उसने अपनी वीजा अवधि से 11 महीने से ज्यादा का वक्त बिताया, जिस कारण उसे मई 2019 तक के लिए काली सूची में डाल दिया गया।

काली सूची में डाले जाने की अवधि के दौरान वापस लौटने के निरर्थक प्रयासों के बावजूद उसे दो बार चिकित्सा आधार पर वीजा जारी किया गया लेकिन फिर से वह निर्धारित अवधि से ज्यादा समय तक रुक गया। इसके बाद उसे फिर से काली सूची में डाल दिया गया। उसने 2020 में वीजा खारिज किये जाने को चुनौती देते हुए एक याचिका दाखिल की लेकिन गलत तरीके से दाखिल किए जाने के कारण उसपर सुनवाई नहीं हुई।

हज यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले लोगों में बेंगलूरु के दो हाजी शामिल

बेंगलूरु। सऊदी अरब में भीषण गर्मी के बीच इस साल हज यात्रा के दौरान सैंकड़ों लोगों की मौत हो गई, जिनमें बेंगलूरु के दो हज यात्री भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान कौसर रुखसाना (69) और अब्दुल अंसारी (54) के रूप में हुई है और वे दोनों आरटी नगर और फ्रेजर टाउन के रहने वाले थे। रेगिस्तानी देश में भीषण गर्मी पड़ने के कारण अन्य कई नागरिकों की तरह बेंगलूरु के दो हाजियों के शरीर में पानी की कमी और लू लगने से मौत हो गई।

कर्नाटक राज्य हज समिति के कार्यकारी अधिकारी एस सरफराज खान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मक्का के बाहरी इलाके में स्थित मीना घाटी में रमी अल-जमारात (शैतान को पत्थर मारने) की रस्म में शामिल होने के दौरान यह घटना हुई। सऊदी अरब सरकार के साथ रीति-रिवाजों और नियम-कानूनों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि हज के दौरान मरने वाले लोगों के शवों को उनके मूल स्थान पर वापस नहीं लाया जाता है। खान ने कहा, ''रुखसाना और अंसारी दोनों के शवों को संबंधित अधिकारियों द्वारा वहीं दफना दिया गया और मृत्यु प्रमाण पत्र भी उनके जीवनसाथियों को सौंप दिए जाएंगे।'' उनके अनुसार, दोनों पीड़ित अन्य श्रद्धालुओं के साथ 22 जून को यहां लौटने वाले थे। राज्य सरकार को इस साल हज पर जाने के लिए 13,500 लोगों ने आवेदन किया था, जिनमें से 10,300 से अधिक लोगों ने हज यात्रा की।

दो लोग मृत पाए गए, शरीर पर गोलियों के निशान

हासन/दक्षिण भारत। हासन जिले में बृहस्पतिवार को दो लोग मृत पाए गए। उनके शरीर पर गोली लगने के घाव हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस को ऐसा संदेह है कि ये हत्या और आत्महत्या का मामला हो सकता है। हासन पुलिस अधीक्षक एम. सुजीता एम. एस. के अनुसार, दोनों व्यक्ति एक कार से होयसला नगर आए थे और एक भूखंड के पास किसी मुद्दे को लेकर उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद आसपास रह रहे लोगों ने गोलियां चलने की आवाज सुनी। सुजीता ने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि कार के अंदर मृत पाए गए व्यक्ति ने पहले दूसरे व्यक्ति को गोली मारी और फिर खुद को भी गोली मार ली।

कन्नड़ मुद्दे पर हमारी सरकार कोई समझौता नहीं करेगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि, सिद्दरामैया के नेतृत्व में हमारी सरकार सत्ता में आने के दिन से ही कन्नड़ के मुद्दे

पर बिना किसी समझौते के काम कर रही है। विधान सौधा परिसर में आयोजित नाडदेवी भुवनेश्वरी कांस्य प्रतिमा की स्थापना के भूमि पूजन कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, ''विधान सौधा परिसर में अंबेडकर, बसवन्ना, केम्पेगौड़ा और कई अन्य नेताओं की प्रतिमाएं हैं। इस शक्ति केंद्र में नाड़देवी भुवनेश्वरी की मातृ प्रतिमा होनी चाहिए। हमारी आशा है कि जो लोग यहां आएं उन्हें देवी का आशीर्वाद लेना चाहिए। कर्नाटक का नाम रखे हुए 50 साल हो गए हैं और इसकी स्मृति में 25 फीट की कांस्य प्रतिमा बनाई जा रही है।

कन्नड़ नेमप्लेट पहली बार बेंगलूरु में अनिवार्य किया गया था। कई कन्नड़ संगठनों ने इसके लिए लड़ाई लड़ी है। कुछ बार जब हमने कानून अपने हाथ में लिया, तो हमने बिना समझौता किए काम किया।

इसके अलावा, हमने कन्नड़ को बचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हम जो हैं वह शाश्वत नहीं है लेकिन हम जो करते हैं वह शाश्वत है। एक महान विचार के लिए कन्नड़ संस्कृति विभाग को बधाई। उन्हें उम्मीद थी कि कन्नड़ बढ़ेगी और बनी रहेगी।

विधानसौधा के पास मीडिया को जवाब देते हुए नीट से जुड़े एक सवाल के जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुद स्वीकार किया है कि नीट परीक्षा में अनियमितता हुई है। यह एक अच्छा कदम है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) को नोटिस जारी किया है। हमारे देश के बच्चों का भविष्य महत्वपूर्ण है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चन्नापट्टना से उपचुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा, 'यह पार्टी तय करेगी। पिछले विधानसभा चुनाव में 16 हजार वोट पड़े थे। लोकसभा में 80 हजार वोट आये हैं। उन्होंने व्यंग्यपूर्वक कहा, ''रामनगर जिले की 4 सीटों में से तीन कांग्रेस विधायक हैं और अब केवल एक को बदलने की जरूरत है।''

पेट्रोल डीजल की कीमतें कम नहीं होने तक संघर्ष जारी रहेगा : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि की निंदा करने के लिए आज राज्य भर के सभी जिला और तालुका केंद्रों में सड़क जाम किया जा रहा है। आज मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में साइकिल जत्था के माध्यम से सरकार को चेताने का काम चल रहा है।

हमारा राज्य संकट में है। किसानों को भी परेशानी हो रही है. पिछले 6 महीने से किसान सूखे की मार झेल रहे हैं। वहीं उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सरकार के फैसलों से आम लोगों पर बोझ पड़ रहा है। यह अक्षम्य अपराध है।

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री को भ्रष्ट फैसले को छोड़ देना चाहिए। मंत्री ने बेंगलूरु में केएसआरटीसी बस किराए में बढ़ोतरी-पानी की दर में बढ़ोतरी को लेकर बयान दिया है। वहीं उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी का फैसला राज्य की जनता के लिए अभिशाप बन गया है। कांग्रेस सरकार के फैसले के खिलाफ भाजपा पूरे प्रदेश में संघर्ष कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री अपने फैसले से पीछे नहीं हटते तब तक वे इस लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने गृह मंत्री के उस बयान की ओर ध्यान दिलाया गया कि अगर सड़क जाम की गई तो वह लाठीचार्ज करेंगे, तो उन्होंने कहा कि यह मूर्खता की पराकाष्ठा है। भाजपा, भाजपा के कार्यकर्ता लाठी-डंडों से नहीं डरते, किसी भी चीज़ से नहीं; प्रदेश की जनता, किसानों और गरीबों के हक में आवाज उठाने वालों पर लाठियां बरसाई जाती हैं तो शर्मनाक है। उन्होंने आपत्ति जताई कि गृहमंत्री सत्ता के अहंकार में बोल रहे हैं। उनसे डरने का सवाल ही नहीं उठता। विजयेन्द्र ने साफ किया कि जब तक सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं करती तब तक संघर्ष नहीं रुकेगा।

साइकिल जत्था यात्रा में विजयेन्द्र के साथ डॉ. अश्वत्थ नारायण, सीटी रवि सहित अनेक वरिष्ठ भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। बाद में पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया।

मुथलापोझी के पास नाव पलटने से मछुआरे की मौत

तिरुवनंतपुरम/दक्षिण भारत। तिरुवनंतपुरम के मुथलापोझी बंदरगाह के पास मछली पकड़कर किनारे पर लौट रहे अधेड़ मछुआरे की नाव पलटने से बृहस्पतिवार तड़के मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित की पहचान विक्टर थॉमस के रुप में हुई है और वह तटीय अंचुथेंगू क्षेत्र का रहने वाला था। उन्होंने बताया कि नाव पर तीन और लोग सवार थे जो दुर्घटना में बच गये। अंचुथेंगू पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, मुथलापोझी के पास नाव उस वक्त पलटी जब मछुआरे मछली पकड़ कर वापस लौट रहे थे।

मुथलापोझी में लगातार हो रही दुर्घटनाओं और इनसे होने वाली मौतों को लेकर तटीय क्षेत्र के निवासियों ने बृहस्पतिवार को एक ताबूत लेकर राज्य विधानसभा की ओर विरोध मार्च निकाला।

मनोज जैन ने बीईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मनोज जैन ने 20 जून को नवरत्न रक्षा पीएसयू भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। वह 26 सितंबर, 2022 से निदेशक (आर एंड डी) थे और उन्हें 1 अगस्त, 2023 से निदेशक (बैंगलोर कॉम्प्लेक्स) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था। मनोज जैन को 1 नवंबर, 2022 से 31 मई, 2023 तक निदेशक (मानव संसाधन) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

निदेशक (आर एंड डी) के रूप में पदोन्नति से पहले वे बीईएल के बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स में इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर एंड एवियोनिक्स एसबीयू के महाप्रबंधक थे। मनोज जैन को विभिन्न आरएंडडी पुरस्कार, प्रमुख योगदानकर्ता पुरस्कार, रक्षा मंत्री पुरस्कार और एसओडीईटी पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कई तकनीकी शोधपत्र प्रकाशित किए हैं, कई पेटेंट के लिए आवेदन किया है और रक्षा उपयोगकर्ताओं और डीआरडीओ वैज्ञानिकों को व्याख्यान दिए हैं।

चेन्नईयिन एफसी ने ब्राजीली मिडफील्डर लुकास ब्रैम्बिला से करार किया

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सत्र से पहले गुरुवार को ब्राजील के मिडफील्डर लुका ब्रैम्बिला से एक साल का करार किया। ब्रैम्बिला इससे पहले साइप्रस के शीर्ष टीयर क्लब ओथेलोस एथियनोऊ से जुड़े थे। इस तरह चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सत्र से पहले नौवें खिलाड़ी से अनुबंध किया और यह उनका चौथा विदेशी खिलाड़ी भी है। इससे पहले एल्सिन्हो डायस, चीमा चुक्कु और विल्मर जोर्डन गिल क्लब से जुड़ने वाले विदेशी खिलाड़ी थे। मुख्य कोच ओवेन कोएल ने कहा, लुकास ब्रैम्बिला शानदार खिलाड़ी है और युवा भारतीय खिलाड़ियों को उसके कौशल से काफी फायदा होगा।

शुभारंभ

गुरुवार को बेंगलूरु में विधान सौधा के सामने नागरहोले वन्य क्षेत्र के पर्यटकों की सुविधा के लिए स्पेशल तरीके से डिज़ाइन की गई तीन मिनी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए वन, जीव विज्ञान और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खंड्रे। इस मौके पर विधायक एएस पोन्नन्ना, जीडी हरीश गौड़ा, वन, जीवविज्ञान और पर्यावरण विभाग के उप मुख्य सचिव मंजूनाथ प्रसाद आदि उपस्थित थे।

महिलाओं को सम्मान और समानता के अवसर प्रदान करना राज्य सरकार का कर्तव्य है : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं को सम्मान और समानता के अवसर प्रदान करना राज्य सरकार का कर्तव्य है। आत्मनिर्भर, सशक्त एवं शिक्षित महिलाएं ही प्रगतिशील समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए निर्णायक कदम उठाने और आधी आबादी को उनका हक देने के लिए कृतसंकल्पित है।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा में महिलाओं का आरक्षण 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किए जाने के अवसर पर आयोजित अभिनंदन एवं आभार समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं ने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार युवाओं को सरकारी सेवा में समुचित रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी समय में चरणबद्ध तरीके से भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर रिक्तियों को भरा जाएगा। साथ ही, जिन क्षेत्रों में युवाओं की आवश्यकता है, वहां रोजगार सृजित करते हुए उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय से महिलाएं राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अधिक संख्या में शिक्षण कार्य कर सकेंगी और अध्ययनरत बच्चों का ममत्व भाव से देखभाल भी कर सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं का सम्मान एक परंपरा रही है। हमारे वेदों और उपनिषदों में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है। शक्ति की देवी दुर्गा, ज्ञान की देवी सरस्वती और धन की देवी लक्ष्मी हमारे समाज में महिलाओं के उच्च स्थान को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला के शिक्षित बनने से तीन परिवार शिक्षित होते हैं और समाज प्रगति करता है। आज महिलाएं परिवार चलाने के साथ-साथ देश चलाने में भी सक्षम हैं। आज देश के सर्वोच्च पद पर आसीन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का जन्मदिन है। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी सशक्तीकरण की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। उनकी पहल पर संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया है, जिसके माध्यम से लोक सभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा और उनकी लोकतंत्र में भागीदारी सुनिश्चित होगी। शर्मा ने कहा कि लखपति दीदी योजना के अंतर्गत देश में 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना, सवैतनिक मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह करना और 3.2 करोड़ सुकन्या समृद्धि खाते खोलकर प्रधानमंत्री महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प पूरा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महिला कल्याण के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। महिलाओं को 450 रुपये में घरेलू गैस सिलेंडर देकर लगभग 73 लाख परिवारों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गरीब परिवारों में बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बॉण्ड प्रदान करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना भी शुरू की है। साथ ही, पंचायतीराज एवं नगरीय निकाय, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की है। बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री का तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा में महिला आरक्षण 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और पुलिस भर्ती में 30 से बढ़ाकर 33 प्रतिशत करने पर आभार व्यक्त किया। प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों से आई महिलाओं ने उन्हें रोज़गार के अधिक अवसर सृजित करने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

जयपुर निवासी 21 वर्षीय प्रीता चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का ये निर्णय उनका राजकीय सेवा में आने का सपना पूर्ण करने में कारगर साबित होगा। तूंगा निवासी 20 वर्षीय ऐशवी जैमन ने मुख्यमंत्री को 50 प्रतिशत आरक्षण के निर्णय के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि वे अभी से परीक्षा की तैयारी शुरू करने जा रही है। इस अवसर पर महिलाओं ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। साथ ही, कई महिलाओं ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

एसएमएस में प्लाज्मा विक्रय से हुई एक करोड़ से अधिक आय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में संचालित ब्लड बैंक से प्लाज्मा का विक्रय नियमानुसार प्रक्रिया अपनाकर किया गया, जिससे करीब एक करोड़ 30 लाख रूपए की आय हुई है। सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि यह राशि आरएमआरएस में जमा की गई है। उन्होंने बताया कि प्लाज्मा का विक्रय निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है तथा खराब प्लाज्मा का निस्तारण भी पूर्ण प्रक्रिया का पालन करते हुए किया जाता है।

अस्पताल के ब्लड सेंटर से प्लाज्मा का विक्रय निजी कम्पनियों को ऑक्शन के माध्यम से किया जाता है। इस प्रक्रिया के तहत ही गत 14 जून को आईकोर बाइलॉजिक्स लिमिटेड कंपनी को 700 लीटर प्लाज्मा बेचे जाने का आदेश किया गया था, जिसके अनुसार कम्पनी ने करीब 485 लीटर प्लाज्मा ब्लड सेंटर से उठा लिया है। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. परमेन्द्र पचौरी ने बताया कि कम्पनी ने करीब 200 लीटर प्लाज्मा फैटी, क्लोटेट, लीकेज एवं कलर चेंज बताते हुए उठाने से इनकार कर दिया। कम्पनी का कहना है कि यह प्लाज्मा मापदण्डों के अनुसार नहीं था। इस प्लाज्मा का भी सेग्रीगेशन, सेपरेशन एवं ट्रीटमेंट कर निस्तारण कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि खराब प्लाज्मा का रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज है और इसे निस्तारण के लिए बायोमेडिकल वेस्ट गाड़ी को हस्तांतरित करने के लिए रखा गया था। उन्होंने बताया कि प्लाज्मा का विक्रय किए जाने के लिए ट्रोमा सेंटर से उच्च अधिकारियों को पत्र भी लिखा गया था लेकिन चुनाव आचार संहिता के चलते प्रक्रिया नहीं हो सकी। अगर किसी स्तर पर लापरवाही रही है तो संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ईडी ने राजस्थान में जल जीवन मिशन में 'अनियमितता' मामले में तीसरी गिरफ्तारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजस्थान में जल जीवन मिशन योजना में कथित अनियमितताओं से संबंधित धनशोधन जांच के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल को बुधवार को हिरासत में लिया गया। मित्तल को अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 24 जून तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया। केंद्रीय एजेंसी ने इस सप्ताह की शुरुआत में श्याम ट्यूबवेल कंपनी के मालिक पदमचंद जैन को गिरफ्तार किया था।

केंद्र सरकार की महात्वाकांक्षी जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना का लक्ष्य घरों में नलों के जरिए पेयजल उपलब्ध कराना है और राजस्थान में इस योजना का क्रियान्वयन राज्य का लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) विभाग कर रहा है। ईडी ने इस मामले में सबसे पहले फरवरी में पीयूष जैन नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

एजेंसी की जांच में पाया गया कि पदमचंद जैन और अन्य लोग अवैध संरक्षण प्राप्त करने, निविदाएं प्राप्त करने, बिल स्वीकृत कराने और पीएचईडी से प्राप्त विभिन्न टेंडर के संबंध में उनके द्वारा निष्पादित कार्यों में अनियमितताओं को छिपाने के लिए लोक सेवकों को रिश्वत देने में शामिल थे।

निखरेगा पुष्कर का स्वरूप

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने गुरूवार को अजमेर जिले के पुष्कर कॉरीडोर विकास से संबंधित प्रजेंटेशन देख कर अपने सुझाव दिए। रावत ने एडीए को गांवों से अतिक्रमण हटाने, सरकारी विभाग, अस्पताल व स्कूलों के लिए भूमि आरक्षित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर तीर्थराज पुष्कर के विकास के लिए प्रस्तावित योजना का प्रथम प्रजेंटेशन गुरूवार को जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने देखा। अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित, आयुक्त नित्या के. एवं पुष्कर नगर पालिका अध्यक्ष कमल पाठक की उपस्थिति में प्रजेंटेशन दिया। जल संसाधन मंत्री रावत एवं जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना इस तरह से तैयार की जाए कि किसी व्यक्ति को परेशानी नहीं हो। सबके साथ एवं सहमति से ही योजना तैयार होगी।

विरासत संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं से बढ़ेगा राजस्थान में पर्यटन : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री पर्यटन दीया कुमारी ने कहा है कि विरासत संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं से राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने राजस्थान प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में देश और दुनिया में अग्रणी राज्य बनाने के लिए संभावित उपायों पर कार्य किए जाने के लिए विभाग को निर्देश दिए हैं। उपमुख्यमंत्री ने गुरुवार को शासन सचिवालय में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में प्रमुख शासन सचिव पर्यटन विभाग श्रीमती गायत्री राठौड़, आरटीडीसी प्रबंध निदेशक श्रीमती अनुपमा जोरवाल, निदेशक पर्यटन विभाग डॉ. रश्मि शर्मा सहित विभागीय अधिकारियों की उपस्थित में उक्त निर्देश दिए।

दीया कुमारी ने साथ ही अल्बर्ट हॉल में म्यूजियम को आधुनिक दृष्टिकोण से और बेहतर बनाने के प्रस्ताव तैयार करने हेतु तथा खासाकोठी का पुनरुद्धार और उसके नवीन स्वरूप के लिए कार्य योजना बनाने हेतु पर्यटन विभाग को निर्देशित किया है। उन्होंने प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाओं की दृष्टि से नाइट टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सुविधाएं विकसित करने तथा इस हेतु एक समग्र कार्य योजना हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने जयपुर शहर तथा प्रदेश के अन्य पर्यटक स्थानों के हेरिटेज स्वरूप को कायम रखते हुए आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु निर्देशित किया। पर्यटक स्थलों के हेरिटेज स्वरूप को बनाये रखते हुए आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का विकास करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए जयपुर सहित सभी पर्यटन शहरों में साइनेज बोर्ड लगाने के लिए निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग और आरटीडीसी की साइट्स पर ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सौर ऊर्जा की ओर अग्रसर होने व सोलर पैनल लगाने जैसी उपाय किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने इस वर्ष की पर्यटन गतिविधियों का पर्यटन कैलेंडर तैयार करने हेतु विभाग को निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय कार्यों को गति प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किए जाने के भी निर्देश दिए।

सरकारी विद्यालयों की बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में सरकारी विद्यालयों की बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिये शारीरिक शिक्षिकाओं को राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा 'रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण' दिया जायेगा। जिला शिक्षा अधिकारी गजानंद सेवग ने गुरुवार को बताया कि राजकीय विद्यालयों मे अध्यनरत बालिकाओं के लिये बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ उनके सर्वांगीण विकास के मद्देनजर राज्य सरकार ने यह निर्णय किया है।

उन्होंने बताया कि बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने की अभिनव पहल राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा की गयी है। इसके तहत पहले चरण में राज्य की 359 महिला शारीरिक शिक्षिकाओं को 10-10 दिनों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। ये शिक्षिकायें 'राज्य संसाधन व्यक्ति' के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सरकारी विद्यालयों की बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखायेंगी। प्रशिक्षण कार्य एक जुलाई से छह सितंबर तक चलेगा। प्रशिक्षण चार चरणों में होंगे।

परिषद द्वारा जारी पत्र के अनुसार एक से 11 जुलाई तक बाड़मेर, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, उदयपुर और नागौर की 89, 15 से 26 जुलाई तक अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, दौसा और बीकानेर की 93, 29 जुलाई से आठ अगस्त तक बूंदी, चूरू, धौलपुर, डूंगरपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जयपुर, जैसलमेर और जालौर की 87 प्रतिभागियों को एवं 27 अगस्त से छह सितंबर तक झालावाड़, झुंझुनू, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर सिरोही और टोंक की 90 महिला शारीरिक शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित किया जायेगा।

सेवग ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा तय मापदंडों के आधार पर ही राज्य एवं मंडल स्तरीय शारीरिक शिक्षिकाओं का 'राज्य संसाधन व्यक्ति' के रूप में चयन किया जायेगा। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा सभी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों एवं समग्र शिक्षा अभियान के सहायक जिला परियोजना समन्वयक (एडीपीसी) को अपने जिले से नाम भिजवाने के निर्देश दिये गये हैं।

खेलो इंडिया की तर्ज पर होगा खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय लोगों से बजट से जुड़े सुझाव लेकर सरकार के कामकाज की दिशा तय करने की अभिनव पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार प्रदेश में सहभागी सरकार के माध्यम से प्रभावी सुशासन सुनिश्चित किया जा रहा है।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि देश और प्रदेश का युवा ही नवाचार, प्रगति और सामाजिक परिवर्तन का इंजन है। इसे देखते हुए सरकार शिक्षा, व्यवसाय, रोजगार, खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं के सपनों को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा एवं खेल विषय पर बजट पूर्व संवाद में खेल प्रतिभाओं, कोच, खेल संगठनों के प्रतिनिधियों, युवा एवं स्टार्टअप उद्यमियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा मेडल जीत कर आते हैं तो न केवल उनके परिवार का बल्कि पूरे प्रदेश का मान बढ़ता है। उन्होंने अभिभावकों का आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को खेलकूद के लिए भी पर्याप्त अवसर और प्रोत्साहन दें।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे लाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। इसे देखते हुए आने वाले समय में प्रदेश में खेल विश्वविद्यालय खोलने और जिला एवं संभाग स्तर पर आवश्यकतानुसार खेल सुविधाएं एवं खेल छात्रावास विकसित करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया गेम्स की तर्ज पर खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन करने पर भी राज्य सरकार विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। देश में 7 नए आईआईटी, 16 ट्रिपल आईटी, 7 आईआईएम, 15 एम्स और 315 मेडिकल कॉलेज खोलने से युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के अवसर बढ़े हैं। यही नहीं, युवाओं को व्यावसायिक हुनर और कौशल से जोड़ने के लिए तीन हजार नए आईटीआई भी खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कुछ ही महीनों में युवाओं को हित में अनेक कदम उठाए हैं। अब तक 17 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। इस वर्ष 70 हजार भर्तियां राज्य सरकार की ओर से की जा रही हैं।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय लोगों से बजट से जुड़े सुझाव लेकर सरकार के कामकाज की दिशा तय करने की अभिनव पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार प्रदेश में सहभागी सरकार के माध्यम से प्रभावी सुशासन सुनिश्चित किया जा रहा है।

उद्योग, युवा एवं खेल मामलों के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार का फोकस प्रदेश में खेलों से जुड़े अवसरंचना विकास पर है ताकि खिलाड़ियों को अंततराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

उद्योग, युवा एवं खेल मामलों के राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि केन्द्र सरकार की फिट इंडिया, खेलो इंडिया और टारगेट ओलम्पिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) जैसी योजनाओं से देश में खेल और खिलाड़ियों के लिए सकारात्मक वातावरण का निर्माण हुआ है।

यूनिसेफ, यूएनएफपीए, क्रीड़ा भारती सहित विभिन्न खेल संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों, कोच, पद्मश्री, अर्जुन पुरस्कार विजेता खिलाड़ियों, युवा एवं स्टार्टअप उद्यमियों ने बजट पूर्व संवाद में सम्मिलित होकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मध्य प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पी. नरहरि ने भी बैठक के दौरान खेल अवसंरचना और प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास के बारे में अपने अनुभव साझा किए।

बजट पूर्व संवाद में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव खेल एवं युवा मामले भवानी सिंह देथा सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान को मिलेगा 4 लाख मीट्रिक टन कोयला

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सक्रिय प्रयासों से छत्तीसगढ़ में फंसा 4 लाख मीट्रिक टन (लगभग 100 रैक्स) कोयला राजस्थान को मिलेगा। इस कोयले से प्रदेश के पावर प्लांट्स में कोयले के भंडार बढ़ेंगे और आमजन को पर्याप्त बिजली उपलब्ध हो सकेगी। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने छत्तीसगढ़ के कोरबा में आर्यन कोल बेनिफिकेशन इंडिया लिमिटेड (एसीबीईएल) को एसईसीएल की माइन से सूरतगढ़ एवं छबड़ा थर्मल पावर प्लांट हेतु कोल सप्लाई का 5 वर्ष के लिए कार्यादेश दिया था। लेकिन जुलाई, 2022 में छत्तीसगढ़ के राज्य कर (जीएसटी) विभाग, खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पर्यावरण विभाग की संयुक्त कार्यवाही के कारण एसीबीईएल की वाशरीज को सील कर दिया गया। इससे राजस्थान का लगभग 4 लाख मीट्रिक टन कोयला वाशरीज में फंस गया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने इस प्रकरण का तुरंत संज्ञान लेते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केन्द्र सरकार से सम्पर्क किया और कोयले को रिलीज करने का आग्रह किया। शर्मा के अथक प्रयासों के क्रम में छत्तीसगढ़ सरकार ने कोल रिलीज करवाने में गंभीरता से त्वरित कार्यवाही की। हाल ही में जिला कलक्टर कोरबा ने उक्त 4 लाख मीट्रिक टन कोयले को रिलीज करने का आदेश दिया। इस 4 लाख मीट्रिक टन कोयले से राजस्थान को लगभग 100 कोल रैक्स की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे उत्पादन निगम के पावर प्लांट्स को कोयला भंडार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बेकाबू कार ने दो युवतियों को कुचला, दोनों की मौत

बारां। राजस्थान में कोटा, बारां जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर गुरुवार को एक तेज रफ्तार कार ने सीमलिया के नजदीक दो युवतियों को कुचल दिया जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गयी। दोनों युवतियां सिमलिया के नजदीक से गड़ेपान जाने के लिये बस का इंतजार कर रही थी, तभी ये हादसा हो गया। घटना की सूचना पर सीमलिया के थाना प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लेकर कोटा भिजवाया है।

पुलिस ने बताया कि ज्योति प्रजापति और वर्षा नागर सीमलिया गांव की निवासी हैं। दोनों युवतियां राजमार्ग 27 के बस स्टॉप पर खड़ी थी। यहां पर एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने दोनों युवतियों को कुचल दिया। कार कोटा से बारां की तरफ जा रही थी। हादसे के बाद मौके से गुजर रहे लोगों ने कार चालक को पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस ने कार को जब्त करते हुये चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस चालक से पूछताछ कर रही है, वहीं दोनों युवतियों के शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने 108 एंबुलेंस के जरिये कोटा भिजवाया है, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जायेगी।

मोदी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था और भर्ती प्रणाली को तहस-नहस कर दिया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द किए जाने के बाद बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार लीक और फ्रॉड के बिना कोई परीक्षा आयोजित नहीं कर सकती।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि इस सरकार ने शिक्षा एवं भर्ती की पूरी व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है।

मेडिकल में प्रवेश के लिए होने वाली राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक 2024 में कथित अनियमितताओं को लेकर उपजे विवाद के बीच, शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का बुधवार को आदेश दिया और मामले को गहन जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपा गया है।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''ये कैसी परीक्षा पे चर्चा, जहां रोज़ाना लीक होता पर्चा। मोदी सरकार ने देश की शिक्षा व भर्ती प्रणाली को तहस-नहस कर दिया है। नीट, यूजीसी-नेट, सीयूईटी में पेपर लीक, धांधली और घोर अनियमितताओं का अब पर्दाफ़ाश हो चुका है। बहुप्रचारित एनआरए (राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी) पूर्णतः निष्क्रिय है।'' उन्होंने कहा, ''अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बड़े जोर-शोर से एनआरए की घोषणा की थी। ज़बरदस्त ढिंढोरा पीटकर उन्होंने बोला था - एनआरए करोड़ों युवाओं के लिए वरदान साबित होगी। सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से, यह कई परीक्षाओं को समाप्त कर देगा और कीमती समय के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत करेगा। इससे पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलेगा।''

"ये कैसी परीक्षा पे चर्चा, जहां रोज़ाना लीक होता पर्चा। मोदी सरकार ने देश की शिक्षा व भर्ती प्रणाली को तहस-नहस कर दिया है। नीट, यूजीसी-नेट, सीयूईटी में पेपर लीक, धांधली और घोर अनियमितताओं का अब पर्दाफ़ाश हो चुका है। बहुप्रचारित एनआरए (राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी) पूर्णतः निष्क्रिय है।"

खरगे के अनुसार, सरकारी नौकरियों के लिए मोदी सरकार ने दावा किया था कि एनआरए सभी नौकरियों के लिए एक ही भर्ती परीक्षा करवाएगी। उन्होंने दावा किया कि चार वर्ष बीत गए हैं, राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी ने अब तक एक भी परीक्षा नहीं करवाई।

अशरफ के साले फैजी के अवैध मकान पर चला पीडीए का बुलडोजर

प्रयागराज/भाषा। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के साले फैजी के अकबरपुर सल्लाहपुर स्थित अवैध मकान को प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के बुलडोजर ने बृहस्पतिवार को ढहा दिया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के क्षेत्राधिकारी आई.एन. हाशमी ने बताया कि अशरफ के ससुराल वालों ने वक्फ बोर्ड की जमीन पर यह अवैध निर्माण कर रखा था, जिसके संबंध में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन अधिनियम, 1973 की धारा 27 के अंतर्गत नोटिस दिया गया था। उन्होंने बताया कि इस नोटिस के जरिए उन्हें वैधानिकता साबित करने और अपना पक्ष रखने का पूरा मौका दिया गया, लेकिन निर्धारित अवधि में वे अपना पक्ष नहीं रख सके, जिसके बाद ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया गया और उसी आदेश के तहत इस मकान को आज ध्वस्त किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू के जन्मदिन पर उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने उन्हें दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्मदिन पर बृहस्पतिवार को उन्हें बधाई दी और उनकी अच्छी सेहत व लंबे जीवन की कामना की। राष्ट्रपति मुर्मू 66 वर्ष की हो गईं।

मुर्मू ने अपने दिन की शुरुआत दिल्ली में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना के साथ की और सभी नागरिकों के कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मंदिर की कुछ तस्वीरें साझा कीं और लिखा,'' जय जगन्नाथ! आज दिल्ली में स्थित जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किए तथा प्रार्थना की कि सभी देशवासियों का कल्याण हो तथा हमारा देश प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित करता रहे।''

मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के उपरबेड़ा गांव में एक संथाली आदिवासी परिवार में हुआ था। उन्होंने 25 जुलाई 2022 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुर्मू को जन्मदिन की बधाई दी।

राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, '' भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।''

बिहार में जदयू सांसद के खिलाफ अदालत में परिवाद पत्र दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरपुर/भाषा। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की एक अदालत में पडोसी जिला सीतामढी से नवनिर्वाचित जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के विवादित बयान को लेकर उनके खिलाफ बृहस्पतिवार को शिकायत दर्ज की गई है।

मुजफ्फरपुर के एक सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप कुमार कुशवाहा ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में ठाकुर के खिलाफ उक्त परिवाद पत्र दायर कराया। ठाकुर ने हाल ही में उन समुदायों का काम नहीं करने की बात कही थी जिन्होंने कथित तौर पर लोकसभा चुनाव में उनके प्रतिद्वंद्वियों को वोट दिया था । कुशवाहा के अधिवक्ता हरिओम कुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''अदालत ने हमारे मामले पर सुनवाई की तारीख दो जुलाई तय की है। हमने प्रार्थना की है कि आरोपी सांसद पर कुशवाहा समुदाय, मुसलमानों और यादवों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए भादंवि की धारा 501 और 505 के तहत मामला दर्ज किया जाए।''

उन्होंने कहा कि कई बार विधान पार्षद रह चुके ठाकुर इस बार सीतामढी से सांसद निर्वाचित घोषित किये गये हैं । उन्होंने कहा कि सांसद ने अफसोस जताया था कि कुशवाहा समुदाय ने ''राजग मतदाता होने के बावजूद'' उनके राजद प्रतिद्वंद्वी को सिर्फ इसलिए वोट दिया क्योंकि विपक्षी दल ने समुदाय के कई लोगों को मैदान में उतारा था।''

मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं प्रधानमंत्री, सरकार चलाने के लिए संघर्ष करेंगे : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट और नीट-यूजी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं और सरकार चलाने के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध रोक देते हैं, लेकिन पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे या फिर इसे रोकना नहीं चाहते हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि शिक्षण संस्थाओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके मातृत्व संगठन से जुड़े लोगों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि जब तक इस स्थिति को बदला नहीं जाएगा तब तक पेपर लीक होना बंद नहीं होंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दल संसद के आगामी सत्र में पेपर लीक के मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा, ''कहा जा रहा था कि नरेन्द्र मोदी जी ने रूस-यूक्रेन के युद्ध को रोक दिया था। इजरायल और गाजा के बीच युद्ध को को रोक दिया था। लेकिन नरेन्द्र मोदी हिंदुस्तान में पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे हैं या रोकना नहीं चाहते हैं।

राहुल गांधी ने दावा किया, ''अगर मैं कहूं तो प्रधानमंत्री मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं। वह मनोवैज्ञानिक रूप से ढह गए हैं और इस तरह सरकार चलाने के लिए संघर्ष करेंगे...मोदी का सरकार चलाने का विचार लोगों में डर पैदा करना, उन्हें डराना और बोलने नहीं देना है।'' उन्होंने कहा, ''इस चुनाव में मोदी की मूल अवधारणा नष्ट हो गयी है। अब हमारे पास एक मजबूत विपक्ष है।''

पेपर लीक के मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा, ''अगर योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं दी जाएगी, असमर्थ लोगों को कुलपति बनाया जाएगा और परीक्षा के ढांचे में अपनी विचारधारा के लोगों को डालेंगे तो पेपर लीक होगा। पेपर लीक का कारण है कि भाजपा के मातृत्व संगठन ने पूरे तंत्र को कब्जा कर रखा है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि जो संस्थान पहले निष्पक्ष हुआ करते थे, आज एक विचारधारा के साथ चलने लगे हैं तथा इन संस्थानों में असमर्थ लोगों के बैठा दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में हुए 'व्यापम' घोटाले को पूरे देश में फैलाने की कोशिश की जा रही है।

यूजीसी-नेट मामला घोटालों की शृंखला में नया घोटाला : ब्रत्य बसु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'यूजीसी-नेट' को रद्द करने का केंद्र का फैसला इस बात का संकेत है कि यह ऐसी घटनाओं की शृंखला में एक और घोटाला है।

बसु ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' में कथित अनियमितताओं का विवाद उच्चतम न्यायालय तक पहुंचने के बीच केंद्र सरकार ने 19 जून को यूजीसी-नेट रद्द करने का आदेश दिया, क्योंकि सरकार को इस बात की जानकारी मिली थी कि परीक्षा में धांधली की गयी है, साथ ही मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया है।'' उन्होंने लिखा, ''घोटालों की शृंखला में नया घोटाला बाजार में आया! परीक्षा की शुचिता से समझौता करने के कारण यूजीसी-नेट रद्द किया गया।''

यूजीसी-नेट जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और भारतीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पीएचडी में प्रवेश के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने से संबंधित परीक्षा है। इस बात पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कि क्या केंद्रीय एजेंसी मुख्य साजिशकर्ता (मास्टरमाइंड) को पकड़ सकती है।

भाजपा की वरिष्ठ नेता सुरमा पाढ़ी निर्विरोध चुनी गयीं ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता सुरमा पाढ़ी बृहस्पतिवार को ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष निर्विरोध चुनी गयीं।

नयागढ़ जिले के रानपुर विधानसभा क्षेत्र से दो बार की विधायक पाढ़ी इस पद के लिए अकेली उम्मीदवार थीं। किसी अन्य उम्मीदवार के नहीं होने के कारण पाढ़ी को निर्विरोध चुन लिया गया।

प्रोटेम स्पीकर आरपी स्वैन ने विधानसभा के विशेष सत्र में पाढ़ी के निर्वाचन की घोषणा की और उन्हें कार्यभार सौंपा।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव व प्रवाती परिदा, नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक और सदन के अन्य सदस्यों ने विधानसभा की नई अध्यक्ष को बधाई दी।

बीजू जनता दल (बीजद) की प्रमिला मलिक के बाद पाढ़ी, ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष बनने वाली दूसरी महिला हैं।

पाढ़ी ने विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा, ''मुझे इस गरिमामय सदन का अध्यक्ष चुनने के लिए मैं सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। मैं एक साधारण परिवार से हूं और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इतना प्रतिष्ठित पद और जिम्मेदारी हासिल होगी। मैं अभिभूत हूं। इस सदन की गरिमा को बनाए रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए मैं आपका सहयोग चाहती हूं। मैं सभी के सहयोग से निष्पक्षता बनाए रखने का पूरा प्रयास करूंगी।''

मुख्यमंत्री ने नई अध्यक्ष को बधाई दी और सदन के सुचारू संचालन के लिए विपक्ष सहित सभी सदस्यों से पाढ़ी के साथ सहयोग करने की अपील की। नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक ने कहा, ''मैं आपको (पाढ़ी को) 17वीं विधानसभा अध्यक्ष के रूप में बधाई देता हूं।

कंचनजंघा हादसा में

मालगाड़ी के चालक दल एवं मंडल के परिचालन विभाग की चूक सामने आयी : जांच दल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में 17 जून के कंचनजंघा एक्सप्रेस हादसे की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि न्यू जलपाईगुड़ी रेल मंडल के परिचालन विभाग और यात्री ट्रेन से टकराने वाली मालगाड़ी के चालक दल की चूक थी। दार्जिलिंग जिले में सोमवार को सियालदह जाने वाली कंचनजंघा एक्सप्रेस से टकराने के बाद यात्री ट्रेन के गार्ड और मालगाड़ी के चालक (लोको पायलट) सहित कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी।

दुर्घटना के तुरंत बाद रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने कहा था कि मालगाड़ी द्वारा सिग्नल की अनदेखी किए जाने के कारण यह टक्कर हुई थी। उन्होंने कहा था कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

रेलवे ने छह वरिष्ठ अधिकारियों की एक जांच टीम भी गठित की थी, जिन्होंने प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी है, जिसे 'पीटीआई-भाषा' ने देखा है।

पांच अधिकारियों ने मालगाड़ी के चालक पर सिग्नल के साथ-साथ गति सीमा का उल्लंघन करने का आरोप लगाया जबकि एक ने असहमति जताते हुए कहा कि न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) रेल मंडल का परिचालन विभाग मार्ग की सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय करने में विफल रहा है।

प्रश्न पत्र लीक देश के खिलाफ 'बहुत बड़ा षड्यंत्र' भी हो सकता है : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूजीसी-नेट का इम्तेहान रद्द होने को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि यह देश के शासन-प्रशासन और मानव संसाधन के खिलाफ कोई 'बहुत बड़ा षड्यंत्र' भी हो सकता है, लिहाजा अदालत की निगरानी में इसकी जांच कराकर दोषियों को कठोरतम सजा दी जानी चाहिए।

यादव ने यहां एक बयान में कहा, ''फरवरी में उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती व समीक्षा अधिकारी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने के बाद अब नीट परीक्षा को मजाक बना दिया गया है। यूजीसी-नेट की परीक्षा भी रद्द हो गयी। भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार में पेपर माफ़िया एक के बाद एक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक कर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।''

सपा प्रमुख ने कहा कि नीट की परीक्षा में घपला होगा तो ईमानदार लोग डॉक्टर नहीं बन पाएंगे और बेईमान लोग जनता के जीवन के लिए खतरा बन जाएंगे, इसी तरह यूजीसी-नेट की परीक्षा न होने से पहले से ही चली आ रही शिक्षकों की कमी में और भी ज्यादा इजाफा होगा, शिक्षकों की कमी से देश के विकास में बाधा उत्पन्न होगी।

यादव ने कहा, ''यह हमारे देश के शासन-प्रशासन व देश के मानव संसाधन के विरूद्ध कोई बहुत बड़ा षड्यंत्र भी हो सकता है, जिसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम होंगे। इसीलिए अदालत की निगरानी में इसकी कठोर जांच हो और दोषियों को कठोरतम सजा दी जाए। किसी भी अपराधी को बख्शा न जाए, फिर वो चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो या फिर उसके सिर पर सत्ता का हाथ ही क्यों न हो।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ भाजपा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''लोग कह रहे हैं जो भ्रष्ट लोग कोरोना टीके के सहारे चुनावी चंदे के नाम पर करोड़ों रूपये खा सकते हैं, वे भला परीक्षा-प्रणाली को क्या छोड़ेंगे?''

यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कोई परीक्षा पारदर्शिता से नहीं करा पा रही है, भर्ती परीक्षाओं के कई पेपर पहले ही लीक हो चुके है, भाजपा सरकार ने छात्रों, नौजवानों का भविष्य अंधकार में डाल दिया है।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी 'चूहा' हुआ लंगड़ा

नोएडा/भाषा। थाना सेक्टर 113 पुलिस ने बीती रात को मुठभेड़ के दौरान एक लुटेरे प्रकाश उर्फ 'चूहा' को गिरफ्तार किया है जिस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हुए प्रकाश के पास से विभिन्न जगहों से लूटे हुए चार मोबाइल फोन, अवैध हथियार तथा एक बाइक बरामद की गई है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि बीती रात को थाना सेक्टर 113 पुलिस एफएनजी रोड पर वाहनों की जांच कर रही थी, तभी बाइक पर सवार दो व्यक्ति आते दिखे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया लेकिन वे रुकने की बजाए पुलिस पर गोली चलाते हुए भागने लगे। मिश्र के अनुसार, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में प्रकाश उर्फ 'चूहा' के पैर में गोली लगी जबकि उसका साथी अंधेरे में भाग निकला। उन्होंने बताया कि प्रकाश के पास से पुलिस ने विभिन्न जगहों से लूटे हुए चार मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल, देसी तमंचा और कारतूस आदि बरामद किया है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री ने नीट प्रश्न पत्र लीक विवाद को राजद से जोड़ा, जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि नीट-यूजी 2024 के कथित पेपर लीक के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी के राजद नेता तेजस्वी यादव से जुड़े अधिकारियों के साथ संबंध हैं और इसकी उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए।

पटना में संवाददाता सम्मेलन में सिन्हा ने दावा किया कि राजद नेता तेजस्वी यादव से जुड़ा एक अधिकारी नीट-यूजी 2024 के कथित पेपर लीक मामले में बिहार पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी सिकंदर प्रसाद यादवेंदु के साथ लगातार संपर्क में था। उन्होंने कहा कि राजद नेता से जुड़े अधिकारी और मुख्य आरोपी के बीच संबंधों की गहन जांच की जानी चाहिए।

यादवेंदु समस्तीपुर जिले का रहने वाला है।

सिन्हा ने कहा, ''तेजस्वी यादव से जुड़ा एक अधिकारी सिकंदर के लिए पटना और अन्य स्थानों के गेस्ट हाउसों में ठहरने की व्यवस्था करता था। मेरे पास उन संदेशों का विवरण है जो अधिकारी ने सिकंदर के ठहरने की व्यवस्था करने के लिए संबंधित व्यक्तियों को भेजे थे।'' उन्होंने कहा कि उनके पास वह मोबाइल नंबर है जिससे यादवेंदु के ठहरने के लिए संदेश भेजे गए थे। ''इसकी गहन जांच होनी चाहिए। राजद नेता (तेजस्वी प्रसाद) इस पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं।'' उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, पूरे घटनाक्रम से पता चलता है कि राजद नेता किस तरह भ्रष्ट आचरण में लिप्त हैं। ऐसी खबरें हैं कि आरोपी रांची में न्यायिक हिरासत के दौरान लालू प्रसाद से जुड़ा था।

सिन्हा ने दावा किया कि राजद नेता तेजस्वी यादव से जुड़ा एक अधिकारी नीट-यूजी 2024 के कथित पेपर लीक मामले में बिहार पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी सिकंदर प्रसाद यादवेंदु के साथ लगातार संपर्क में था।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जद(यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने बृहस्पतिवार को कहा कि नीट पेपर घोटाले के सरगना के राजद नेता तेजस्वी यादव से संबंधों को लेकर उठ रहे सवालों पर तेजस्वी की चुप्पी से प्रतीत होता है कि दाल में कुछ न कुछ काला जररू है।

बुमराह का मुरीद हूं, उसे अपने एक्शन में किसी बदलाव की जरूरत नहीं : एम्बरोज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिजटाउन/भाषा। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज कर्टली एम्बरोज भारत के जसप्रीत बुमराह के प्रशंसक हैं और वह नहीं चाहते कि अपने गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन में बुमराह कोई भी बदलाव करे क्योंकि उनका मानना है कि हर तेज गेंदबाज चोटिल होने के जोखिम के साथ ही मैदान पर उतरता है ।

इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शुमार बुमराह ने पिछले साल मार्च में कमर की तकलीफ के कारण सर्जरी कराई थी । लंबे रिहैबिलिटेशन (स्वास्थ्य लाभ) के बाद उन्होंने नवंबर में भारत में वनडे विश्व कप के जरिये वापसी की और तब से शानदार फॉर्म में हैं ।

एम्बरोज ने पीटीआई को फोन पर दिये इंटरव्यू में कहा कि गंभीर चोट नहीं होने की दशा में बुमराह को अपने एक्शन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिये । उन्होंने कहा ,'' मैं जसप्रीत बुमराह का बड़ा प्रशंसक हूं । जब से मैंने उसे पहली बार देखा है । वह गैर पारंपरिक गेंदबाज है लेकिन बेहद प्रभावी है और मुझे यही पसंद है । उसने भारत के लिये सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किया है ।'' उन्होंने कहा ,'' मैं कुछ साल पहले उससे मिला था जब भारतीय टीम एंटीगा में खेल रही थी । उसकी गेंदबाजी देखने में मजा आता है क्योंकि वह इतना अलग है ।''

बुमराह के गेंदबाजी एक्शन से उनकी कमर पर काफी दबाव पड़ता है लेकिन एम्बरोज का मानना है कि हर तेज गेंदबाज को इस तरह के जोखिम से गुजरना पड़ता है । उन्होंने कहा ,'' मेरा अनुभव यही है कि दो गेंदबाज कभी एक जैसे नहीं होते । गेंदबाजों में समानता हो सकती है लेकिन वे बिल्कुल एक से नहीं होते । सभी की शैली जुदा होती है । हर तेज गेंदबाज को चोटिल होने का खतरा रहता है और यह सभी को पता होता है ।'' उन्होंने कहा ,'' आपको अपना काम पूरी क्षमता के साथ करना होता है । फिर जो होगा, होगा । अगर उसे कोई गंभीर चोट लगती है तो ही उसे अपने एक्शन में बदलाव करना चाहिये ।''

एम्बरोज ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काफी खेला जाने लगा है जिसका खेल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है । उन्होंने कहा ,'' अब खेल का व्यवसायीकरण हो गया है । इतना ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है । एक शृंखला के बाद दूसरी शृंखला और फ्रेंचाइजी क्रिकेट अलग । यह रोमांचक है लेकिन इतना ज्यादा क्रिकेट चिंता का विषय है ।''

सुविचार

जो अच्छा लगता है उसे गौर से मत देखो, ऐसा ना हो कोई बुराई निकल आए, जो बुरा लगता है उसे गौर से देखो, मुमकिन है कोई अच्छा ही नजर आ जाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लगाम कौन लगाए?

तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले के करुणापुरम में जहरीली शराब पीने से कई लोगों के जान गंवाने की घटना अत्यंत दु:खद है। अब राज्य सरकार सख्ती दिखा रही है, प्रशासन आरोपियों की पकड़-धकड़ में व्यस्त है। अगर यही सतर्कता पहले दिखाई होती तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती। तमिलनाडु ही नहीं, कई राज्यों में अवैध शराब का 'धंधा' चल रहा है, फलफूल रहा है। इस पदार्थ का सेवन करने वाले ज्यादातर लोग साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों से आते हैं। वे सस्ती शराब के लोभ में इसके ग्राहक बनते हैं। कुछ अधिकारी साहस दिखाते हुए अवैध शराब निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई भी करते हैं। समय-समय पर ऐसी भट्टियां नष्ट करने की खबरें आती रहती हैं, जिन पर यह ज़हर तैयार किया जाता है। इसके बावजूद 'धंधा' चल रहा है, लोग पी रहे हैं, शिकार हो रहे हैं। लगाम कौन लगाए? जिन पर रोकने की जिम्मेदारी होती है, उन पर कई बार गंभीर आरोप लग चुके हैं। जब तक मामला 'ठीक चलता' है, 'सबकुछ' चलता रहता है। एक बार जब जहरीली शराब बन जाती है तो कई लोग काल के ग्रास बनते हैं। उसके बाद सरकार मुआवजे की घोषणा करती है, दो-चार अफसरों का स्थानांतरण या निलंबन होता है, कुछ आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाते हैं, राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है। कुछ दिन बाद बात आई-गई हो जाती है। फिर एक और कांड का इंतजार किया जाता है। जिन परिवारों के 'अपने' चले गए, वे ज़िंदगीभर दर्द बर्दाश्त करते हैं। तमिलनाडु की इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर आईं तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। रोतीं महिलाएं, बिलखते बच्चे, सांत्वना देते लोग ... और श्मशान में एकसाथ तैयार की जा रहीं कई चिताएं!

शराब पीना कोई अच्छी आदत तो नहीं है। अवैध रूप से बनी शराब हो या कानूनी इजाजत से दुकानों पर बिकने वाली शराब, दोनों ही सेहत के लिए नुकसानदेह हैं। अवैध शराब कई बार निर्माण के दौरान रासायनिक गड़बड़ी के कारण जहरीली हो जाती है, क्योंकि निर्माताओं के पास जांच आदि के साधन नहीं होते, कोई जवाबदेही नहीं होती। कारखानों में बनने वाली शराब के कुछ मानक तय किए जाते हैं। उसकी बिक्री पर सरकार को राजस्व मिलता है। 'कौनसी शराब कितना नुकसान करती है' के बजाय इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि 'शराब आखिर में नुकसान ही करती है'। इस नशे को जनता तक पहुंचाने के लिए अलग-अलग रास्ते निकालने से बेहतर है कि इस पर प्रतिबंध लगाया जाए। आज़ादी की लड़ाई के दौरान शराबबंदी को लेकर आंदोलन होते थे। दुर्भाग्य की बात है कि जब देश आज़ाद हो गया तो यह नशा कारोबार की शक्ल लेकर बढ़ता जा रहा है। जिन लोगों ने वर्षों पहले छोटी-सी दुकान से शराब बेचनी शुरू की थी, वे बड़े-बड़े बंगलों, गाड़ियों और फार्म हाउसों के मालिक हो गए। जिन्होंने वर्षों पहले पीनी शुरू की थी, वे सेहत, संपत्ति, संबंध समेत बहुत कुछ गंवा बैठे। महात्मा गांधी ऐसा भारत नहीं बनाना चाहते थे, जहां लोग अंग्रेजों की गुलामी से जान छुड़ाकर नशे के गुलाम हो जाएं। शराब के पक्ष में कुछ लोगों ने कई कुतर्क गढ़ रखे हैं- 'इतिहास पढ़ें, फलां योद्धा भी तो पीता था, जो कितना बड़ा शासक बना।' ऐसा कुतर्क देने वाले यह क्यों भूल जाते हैं कि दुनिया में उस 'योद्धा' से भी बड़े योद्धा और शासक हुए हैं, जिन्होंने शराब के बर्तन का स्पर्श तक नहीं किया था? क्या भारत में दूध, छाछ, लस्सी, शर्बत, फलों के रस आदि की कमी है, जो इन्हें छोड़कर जहर को मुंह लगाएं? रामायण, महाभारत में ऐसे कई योद्धाओं का उल्लेख मिल जाएगा, जिनका खानपान पूर्णत: सात्विक था और वे वीरता एवं विजय के पर्याय बने। शराब हर दृष्टि से त्याज्य है। इस बात को हम जितना जल्दी समझ लें, उतना अच्छा है।

ट्वीटर टॉक

भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएं एवं बधाई। ईश्वर से आपके स्वस्थ व प्रफुल्लित जीवन तथा दीर्घायु के लिए प्रार्थना है। आपके कुशल व अनुभवी मार्गदर्शन ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को पुष्पित और पल्लवित किया है।

-ओम बिरला

आज पर्यटन भवन में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ राजस्थान प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में देश और दुनिया में अग्रणी राज्य बनाने समेत विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा की तथा इस दिशा में अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए।

-दीया कुमारी

देशभर के अपने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए हमारी सरकार निरंतर अहम कदम उठा रही है। इसी दिशा में आज कैबिनेट ने वर्ष 2024-25 के लिए सभी प्रमुख खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि को मंजूरी दी है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

आत्मीय संवाद

सन 1917 में कलकत्ता के कांग्रेस अधिवेशन में लोकमान्य तिलक ने अपना भाषण अंग्रेजी में दिया। भाषण समाप्ति पर महात्मा गांधी उठकर बोले, 'लोकमान्य तिलक का यह भाषण बिल्कुल सुंदर, स्फूर्तिदायक और विषय पर केंद्रित था। यही भाषण यदि हिंदी में दिया गया होता, तो सम्भवत: ज्यादा लोग समझ पाते। जिसे समझ नहीं आया, वे लोग कृपया अपना हाथ ऊपर उठायें।' सभी लोगों ने हाथ ऊपर उठा लिए। तिलक जी उठे और अपने उसी भाषण को हिन्दी भाषा में बोलना शुरू किया। हालांकि तिलक जी को हिंदी बहुत बढ़िया नहीं आती थी। लेकिन उन्होंने राष्ट्र की भाषा के प्रति प्रेम और निष्ठा का परिचय देते हुए सारा का सारा भाषण हिन्दी में दिया। तिलक जी की प्रशंसास्वरूप श्रोताओं की तालियों की गर्जना देखने योग्य थी। ख़ुशी से खिले लोगों के चेहरे और तिलक का निज भाषा प्रेम, लोगों में उभरे अद्भुत राष्ट्रैक्य का उदय देखकर गांधी जी की आंखों में भी ख़ुशी के आंसू छलक आये थे।

सामयिक

योग से बढ़कर कोई बल नहीं

हर्षवर्धन पाण्डे

दुनिया में हर कोई अच्छा स्वास्थ्य, मन की शांति को प्राप्त करना चाहता है। योग के बारे में कहा गया है-नास्ति माया समं पाशो नास्ति योगात्परंबलम नास्ति ज्ञानत्मरो बन्धु न अहंकारात्परोरिपु: अर्थात माया से बढ़कर कोई बंधन नहीं होता और ज्ञान से बढ़कर कोई बंधु नहीं होता। अहंकार से बढ़कर कोई शत्रु नीर होता और योग से बढ़कर कोई बल नहीं होता। एक सामान्य अर्थ में भी योग का अर्थ जोड़ना' होता है। भारतीय मनीषी तो सम्पूर्ण विश्व को परिवार घोषित करते हैं। यह अवसर हमें दुनिया को करीब से समझने-समझाने में मदद कर सकता है। यह प्रसन्नता की बात है कि विदेश ही नहीं देशभर से योग के प्रति लोगों की रूचि अब बढ़ रही है। हजारों वर्षों पूर्व हमारे ऋषियों ने मानवता के हित में विश्व को यह योग विद्या दी थी लेकिन इसे जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करने वाले बाबा रामदेव भी अभिनंदन के पात्र हैं। आज सारी दुनिया योग के महत्व को समझते हुए उसे अपनी दिनचर्या का अंग बना रही है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने पुष्टि की है कि योग से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि दीर्घकाल तक कई फायदे होते हैं। प्राचीन भारतीय प्रणालियाँ शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों की जरूरतों का सम्पूर्ण निदान अपने योग में है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो देश सदियों से योग विद्या का साक्षी रहा है उस देश के अधिकांश युवा आज तथा कथित आधुनिक जीवन शैली और खान पान की खराब आदतों के कारण बहुत कम आयु में ही मधुमेह और ब्लड प्रेशर, कैंसर जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं। उन्हें इंटरनेट, स्मार्ट फोन, सोशल मीडिया ने इतना व्यस्त कर दिया है कि वे अपने कर्तव्यों को तो भूले ही है, स्वयं अपने आप तक को भूल रहे हैं। मौजूदा दौर में शारीरिक श्रम लगातार कम हो रहा है। ऐसे में मन और बुद्धि सक्रिय होते हुए भी शरीर की निष्क्रियता बोझ बन रही है। ऐसे में योग कारगर साबित हुआ है। जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से त्रस्त थी तब उसे मात देने के लिए योग रामबाण साबित हुआ। सही मायनों में कहा जाए तो योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि कई बीमारियों से बचाव में भी सक्षम है। हाल के वर्षों में हुए कई वैज्ञानिक अध्ययन भी इस बात को साबित करते हैं योग बीमारियों का उपचार है तो जांच भी है। सामान्य सांस लेने में हम 500 एमएल ऑक्सीजन ग्रहण करते हैं जबकि इस प्राणायाम को करने से 500 से 10,000 एमएल ऑक्सीजन हमारे शरीर को प्राप्त होती है। दिन भर अपने आसपास नेगेटिव समाचार सुन-सुन कर हम सभी तनाव या अवसाद से घिर रहे हैं। इससे मुक्ति पाने के लिए हमें प्राणायामों के साथ योग नियमित करना चाहिए। जब हमारे आसपास नकारात्मकता

महसूस होने लगे तो योग के साथ अपने इष्टदेव के मंत्रों का जाप हर रोज योग और मेडिटेशन करते हुए करें। ऐसा करने से विपरीत परिस्थितियों में भी हम हमेशा शांत रहेंगे।

भारतभूमि अनादिकाल से पूरे विश्व में योग भूमि के रूप में विख्यात रही है, जिसका लाभ अब सम्पूर्ण विश्व को मिल रहा है। भारत में सदियों से योग का प्रचार-प्रसार रहा है लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2015 से हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा के बाद लगभग पूरी दुनिया योग की महत्ता जान चुकी है। स्वयं की स्वयं के माध्यम से स्वयं तक पहुँचने की यात्रा का नाम योग है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयत्नों से आज भारत के योग का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। निश्चित ही यह सम्पूर्ण मानवता और सम्पूर्ण विश्व के लिए एक शुभ संकेत है। योग मनुष्य में सकारात्मकता और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। योग मनुष्य जीवन की विसंगतियों पर नियंत्रण का माध्यम है। योग मनुष्य को पवित्र बनाता है, निर्मल बनाता है, स्वस्थ बनाता है। कोरोना संक्रमण के दौर में योग रामबाण औषधि की तरह रहा। योग के पथ पर अविराम गति से वही साधक आगे बढ़ सकता है, जो चित्त की पवित्रता एवं निर्मलता के प्रति पूर्ण जागरूक हो, क्योंकि निर्मल चित्त वाला व्यक्ति ही योग की गहराई तक पहुंच सकता है।

योग कोई धार्मिक कर्मकांड नहीं है इसीलिए तो योगः कर्मषु कौशलम' कहा गया है। गीता 'योग क्षेम वहाम्यहं' का उद्घोष करती है जिसका अर्थ है- अप्राप्त को प्राप्त करना और प्राप्त की रक्षा करना। दुनिया में ऐसा कौन है जो अच्छा स्वास्थ्य, मन की शांति प्राप्त न करना चाहते हो। यह कामना रखना अथवा इसके लिए प्रयास करना किसी एक धर्म के लोगों के लिए आरक्षित नहीं हो सकता। एक सामान्य अर्थ में भी योग का अर्थ जोड़ना' होता है। यह प्रसन्नता की बात है कि विदेश ही नहीं देशभर से योग के प्रति लोगो की रूचि बढ़ रही है। हजारों वर्षों पूर्व हमारे ऋषियों ने मानवता के हित में विश्व को यह योग विद्या दी थी लेकिन इसे जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करने वाले भी अभिनंदन के पात्र है। आज सारी दुनिया योग के महत्व को समझते हुए उसे अपनी दिनचर्या का अंग बना रही है। योग कला, विज्ञान और दर्शन आज दुनिया को भारतबोध करा रहा है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी इस बात की पुष्टि की है कि योग से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि दीर्घकाल तक कई फायदे होते हैं। प्राचीन भारतीय पद्धतियां शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों की जरूरतों का संपूर्ण उत्तर हैं। पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में योग की महत्व बढ़ रहा है तो इसके लिए हर भारतीय को प्रसन्न ही होना चाहिए। महर्षि पंतजलि के अनुसार, ''योगश्चित्त वृत्तिनिरोधः'' अर्थात चित्त की वृत्तियों को रोकने का नाम योग है। हम सभी को भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपने चित्त से सुदीर्घ जीवन के लिए प्रयास करने चाहिए।

विशेष

सुस्वास्थ्य का आधार है योग

गोवर्धन दास बिन्नानी

मोबाइल : 9829129011

21 जून के दिन ही राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना हुई थी। उसके बाद जब समझदार बने तब देखा कि इसी दिन 1991 को पी.वी. नरसिम्हाराव भारत के नौवें प्रधानमन्त्री बने और उन्होंने डॉ मनमोहन सिंह को वित्त मन्त्री बना, उनके कार्यकाल में भारत में आर्थिक उदारीकरण/वित्तीय सुधारों को लागू करवाया। 27, सितम्बर 2014 में भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की मार्फत विश्व समुदाय से, वर्ष के इस सबसे बड़े दिन को, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस रूप में मनाने का आह्वान किया। 11, दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' को मनाने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया गया। भारत के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अन्दर ही पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो किसी प्रस्तावित दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ में पारित करने के लिए सबसे कम समय होता है।

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जून, 2015 को सद्भाव और शान्ति के लिए 'योग' प्रसंग (थीम) पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में दो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स भी दर्ज किए गये, एक तो एक ही स्थान पर एक ही सत्र में 35,985 लोगों द्वारा योगाभ्यास करने का, तथा दूसरा एक योग कार्यक्रम में सर्वाधिक राष्ट्रीयताओं के लोगों के भाग लेने का। तदोपरांत देखते ही देखते दुनिया के तमाम देश इस मुहिम में शामिल हो ही नहीं गये बल्कि सभी देश अब इसमें बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हैं। अब आप सभी के ध्यानार्थ इस बार महिला सशक्तिकरण के लिए योग मुद्दे के साथ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस अपने निम्न वर्णित अंतर्निहित महत्व के चलते अनेक इस्लामिक देशों को भी अपनी ओर आकर्षित किए हुए है।

कोरोना के भीषण समय में योग करने से अनेक लोगों को काफी फायदा मिला अर्थात इससे तन और मन दोनों को फायदा होता है। जिसके फलस्वरूप विश्व के थोड़े बचे हुए देश भी अब योग को अपनाने में हिचकिचाते नहीं हैं। हर दिन बिना चुके योगाभ्यास करने से स्वास्थ्य सम्बन्धित सभी/अनेक समस्याओं का समाधान सम्भव है। योग के साथ, व्यक्ति एक बढ़ी हुई श्वसन प्रक्रिया का अनुभव करता है। यह उनके शरीर में शक्ति और ऊर्जा उत्पन्न करने में भी मदद करता है। योग चयापचय प्रक्रिया को संतुलित करने में मदद करता है। योग करते रहने से शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। सबसे महत्वपूर्ण यह है की हर कोई योगाभ्यास कर सकता है अर्थात केवल वे लोग ही नहीं जो अपने पैर की उंगलियों को छू सकते हैं। योग मानसिक शांति प्रदान करता है जिससे आसपास का परिवेश आनन्दमय हो जाता है।

योग वजन कम करने में मदद करता है जिसके चलते शरीर को एक अच्छा आकार मिलता है। योग कार्डियो सिस्टम को भी स्वस्थ रखता है।हमारे अंत:करण में भी लोभ, मोह, ईर्ष्या, द्वेष आदि से जो रोग उपजते हैं,उनका निदान योग द्वारा सम्भव होता है अर्थात योग केवल शारीरिक रोग में ही सहायक नहीं बल्कि मानसिक कष्ट को भी ठीक करता है। हर प्रकार की बीमारी से लड़ने में रोग प्रतिरोधक क्षमता निर्णायक भूमिका निभाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि योग रोग प्रतिरोधक शक्ति मजबूत बनाने में एक बड़ी भूमिका निभाता है।

इस तरह के अनेक लाभों के अलावा भी योग के कई लाभ हैं। आज के आधुनिक जीवनशैली में अपने अस्तित्व बचाने/बनाये रखने में हम अपने आप से कट से गये हैं। इसलिये चिन्ता, तनाव, भागा दौड़ी के चलते उत्पन्न होने वाली परेशानियों से मुक्ति का मार्ग योग के साथ प्राणायाम उपलब्ध कराता है। यहां यह जान लें कि प्राणायाम एक तरह का विज्ञान है जिसे योग का चौथा अंग माना जाता है। मौटे तौर पर योग ध्यान व सांस लेने का व्यायाम है जबकि प्राणायाम में सांस पर अपने ध्यान को केन्द्रित करना होता है। कुल मिलाकर नियमित योग करते रहने से मन को शान्ति, आत्मविश्वास और साहस की प्राप्ति होती ही है जिसके कारण हम लोग अपने-अपने सभी प्रकार की गतिविधियों को बेहतर तरीके से कर पाने में सफल होते हैं क्योंकि योग का उद्देश्य ही हमारे जीवन का समग्र विकास करना है।

नजरिया

बिहार में भ्रष्टाचार में बह रहे पुल

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

बिहार के अररिया जिले में एक बार फिर बकरा नदी पर बना पुल भरभराकर गिर गया। 12 करोड़ से निर्मित इस पुल का अभी उद्घाटन भी नहीं हुआ था। हालांकि, बिहार में पुल गिरने की बात नई नहीं है। बीते 10 सालों से बिहार के कई जिलों में पुर गिरे, भ्रष्टाचार को लेकर सिस्टम पर सवाल भी खड़े हुए। लेकिन जवाब अभी तक नहीं मिला।दरअसल, पुल गिरने की घटना भवन विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। पुल गिरने की घटना, निर्माण कार्य में खराब गुणवत्ता वाला मेटेरियल का उपयोग और भूमि जांच में गड़बडी की बात को उजागर करता है और इस तरह की घटना बिहार के सरकारी सिस्टम पर सवालिया निशाना है। ज्ञात हो कि बिहार के अररिया जिले में मंगलवार को 12 करोड़ की लागत से बना बकरा नदी पर बना पुल भरभराकर गिर गया। बताया जाता है कि नेपाल में हुई बारिश के कारण अचानक आए नदी में तेज बहाव ने पुल को अपने साथ बहा लिया। पुल का कार्य पूरा हो गया होता तो इससे सिकटी और कुर्साकांटा प्रखंड जुड़ जाता। यह दुखद बात है कि सरकार ने इस पुल पर 12 करोड़ रुपए खर्च किए थे लेकिन सब पानी में चला गया। अच्छा हुआ पुल को आवागमन के लिए चालू नहीं हुआ था नहीं तो लाशों का ढेर बिछ जाता। वैसे पिछले 5 साल में दूसरी बार नदी ने बदला रास्ता : इस बहाव में परडिया घाट पर बने पुल का तीन पाया भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये। इसके ऊपर बना गार्डर भी नदी में समा गया है। इस बात को लेकर स्थानीय लोगों में काफी रोष है। इतना घटिया निर्माण किए जाने से इस पुल की यह दशा हुई है। यह आश्चर्य की बात है कि ज्यादातर नदी पर बन रहे पुल बिहार में ही गिर रहे हैं। यह देखने में आया है कि भ्रष्टाचार के चलते निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाता है। ठेकेदार अपना काम निपटा कर इतिश्री कर लेना चाहते हैं।

बिहार में यह एक ऐसी नदी है जिसकी वजह

से सरकार भी परेशान है और लोग भी। जब इस नदी पर पहली बार पुल बना तो स्थानीय लोगों को लगा कि पुल निर्माण के बाद उनके इलाके की सूरत बदल जाएगी। लेकिन बकरा नदी ने यहां के लोगों को ऐसा गच्चा दिया कि सरकार के बड़े से बड़ा इंजीनियर भी फेल हो गया। हुआ ये कि, अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर साल 2012 में पुल बना। जितनी नदी की चौड़ाई थी उसके मुताबिक पुल 2019 में बनकर तैयार भी हो गया। जैसे ही पुल बनकर तैयार हुआ नदी ने अपना रुख मोड़ लिया और नदी पूरब की और खिसक कर बहने लगी। सरकार भी हार मानने वाली नहीं थी। उसने दूसरी बार 11 करोड़ खर्च करके 200 मीटर तक पुल का निर्माण किया। फिर स्थानीय लोगों के मुरझाए चेहरे खिल उठे। कुछ दिन की समस्या मानकर, लोगों में पुल बनते ही सारे दुख दूर होने की उम्मीद जग गई। लेकिन सभी के अरमानों को रौंदकर बकरा नदी ने फिर रास्ता बदल दिया। नदी इस बार इस पुल के पश्चिम में बहने लगी। पुल के दोनों ओर बहती नदी के बीच ग्रामीण चचरी पुल बनाकर आर-पार होते हैं।

पुल के दोनों हिस्से अब सूखे में खड़े हैं। हर कोई बिहार के इंजीनियर की इंजीनियरिंग की दाद दे रहा है। इधर बकरा नदी है कि इंजीनियरों की 'औकात' से बाहर हो चुकी है। गांव वाले बता रहे हैं कि बकरा नदी एक बार फिर अपना रास्ता बदल रही है। बार-बार मार्ग बदले जाने की वजह से 31 करोड़ की लागत से तैयार खड़ा पुल अब किसी काम का नहीं रहा। लोगों के अरमान फिर एक बार नदी की धारा में गुम हो गए हैं। अगर ये पुल निर्माण पूरा हो जाता तो इस रास्ते के कुर्साकांटा और सिकटी प्रखंड से लेकर नेपाल सीमा तक के लाखों लोगों को इसका फायदा मिलता। नदी का मार्ग बदलने से कई घरों की जल समाधि हो चुकी है। स्थानीय ग्रामीण ने बताते है कि बकरा नदी के धारा बदलने से सिर्फ पुल का ही नहीं बल्कि कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है। इसकी धारा में कई घर विलीन हो गए। एक पूरी की पूरी बस्ती ही बकरा नदी के बदले रास्ते में आ गई। लोगों को काफी दिक्कते उठानी पड़ रही है। सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है। बता दें कि इस पुल का उद्घाटन होने वाला था। लेकिन उद्घाटन से पहले ही करोड़ों की लागत से बनने वाला पुल ध्वस्त हो गया। बिहार में एक के बाद एक पुल गिर रहे हैं। कोई आंधी से तो कोई बिना आंधी और पानी के। ये हाल तब है जब प्रदेश में बारिश नहीं हुई।

अब पुल की गुणवत्ता पर सवाल उठाया जा रहा है। पुल कैसे गिरा, क्या गुणवत्ता में कोई कमी की वजह से ये हादसा हुआ ये कह पाना मुश्किल है। फिलहाल इस बार भी पुल गिरने पर जांच का मुलम्मा चढ़ाया जाएगा। देखना है कि संबंधित जिम्मेदार पुल के गिरने की क्या वजह बताते हैं। वैसे बिहार में पुल का गिरना पहली घटना नहीं है। पुलों के गिराने की लम्बी सूचि है। बीते 10 सालों से बिहार के कई जिलों में पुर गिरे, 19 मार्च 2023 को बिहार के सारण जिले में एक पुल गिर गया था। बताया जाता है कि यह पुर अंग्रेजों के जमाने का था। बाढ़ ते बाद पुल जर्जर हो गया था और कई जगहों पर दरारें आ रही थी। विभाग के लापरवाही के कारण यह पुर गिर गया। लेकिन जर्जर पुल को लेकर विभाग की ओर से कोई चेतावनी जारी नहीं किया गया था। 4 जून 2023 को सुल्तानगंज से खगड़िया के अगुवानी गंगा घाट पर निर्माणाधीन पुल के पिलर नंबर 10, 11 और 12 अचानक गिरकर नदी में बह गए थे। पुल गिरने की घटना बिहार में सियासी बवाल खड़ा कर दिया था। पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने एक दूसरे पर सवाल खड़े किए थे। 19 फरवरी 2023 को पटना के बिहटा में सरमेरा में फोन लेन पर गिर गया था।

वहीं बिहार के दरभंगा जिले के कुशेश्वर स्थान में कमला बलान नदी के सबोहल घाट पर ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से पुल गिर गया था। 15 मई 2023 को पूर्णिया में एक बड़ा हादसा हुआ था। यहां एक पुल का एक बॉक्स ढलाई के दौरान गिर गया थ। जुलाई 2022 में बिहार के कटिहार जिले में भी एक निर्माणाधीन पुल गिर गया था और पुल गिरने से 10 मजदूर घायल हो गए थे। 18 नवंबर 2022 को बिहार के नालंदा जिले में एक निर्माणाधीन पुल गिर गया था।पुल गिरने से 1 की मौत हो गई थी। बाताया जाता है कि यह पुल घटिया निर्माण के कारण गिर गया था। 9 जून 2022 को बिहार के सहरसा में एक पुल गिरने से कई मजदूर घायल हो गए। बख्तियारपुर के कंडुमेर गांव में पुल गिरने से कई लोग दब गए थे। मजदूर पुल पर काम कर था। इसी दौरान पुल गिर गया और मजदूर मलबा में दब गया। हालांकि, बाद में उसे बचा लिया गया। पटना के फतुहा में 20 मई 2022 को अधिर बारिश के कारण एक पुल गिर गया था। यह पुल 1984 में बना था। वहीं, 30 अप्रेल 2022 को भागलपुर-खगड़िया में एक सड़क पुल गिर गया था।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

इन 10 बातों का करें पालन, योगाभ्यास के लिए मजबूत रहेगी आपकी इच्छाशक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जब देश-दुनिया में करोड़ों लोग योगाभ्यास कर रहे होंगे, तब कई लोग ऐसे भी होंगे, जो इस वजह योगासन नहीं कर पाए, क्योंकि उन्हें 'समय' नहीं मिला अथवा यह उनकी प्राथमिकता में नहीं था।

प्राय: हर साल इस दिन सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें वायरल होती है, जिनमें एक तरफ कई लोग योगाभ्यास करते नजर आते हैं। वहीं, दूसरी तरफ कोई व्यक्ति देर तक सोता दिखता है। चूंकि आज अनिद्रा एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। जब कोई व्यक्ति रात को देर से सोता है तो सुबह जल्दी नहीं उठ पाता, इसलिए उसके पास योगाभ्यास के लिए अनुकूल समय नहीं रहता।

अगर आप भी योगाभ्यास करना चाहते हैं, लेकिन किन्हीं कारणों से नहीं कर पा रहे हैं तो पक्का इरादा कीजिए और इस शुभ कार्य में देरी न कीजिए। अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने के लिए ये उपाय कर सकते हैं।

1. योगाभ्यास की शुरुआत के लिए अच्छा समय है 'आज'। इसका मतलब है- कल पर मत टालिए, वर्तमान में उचित समय पर योगाभ्यास कीजिए। काम 'कल' पर टालने से वर्षों तक अटके रहते हैं और 'कल' कभी नहीं आता।

2. योगाभ्यास करना चाहते हैं तो उसके लिए बहुत अच्छी जगह कोई सार्वजनिक पार्क आदि हो सकती है, जहां प्रात:काल निर्मल वायु बहती हो। अगर ऐसी जगह न मिले तो किसी स्वच्छ, शांत और हवादार स्थान पर योगाभ्यास कर सकते हैं।

3. योगाभ्यास के लिए पहले से तैयारी कर लें। नरम चटाई या अच्छी गुणवत्ता की योगा मैट खरीद लें। इसका सिर्फ योगाभ्यास के दौरान इस्तेमाल करें। एक बार जब अभ्यास कर लें तो मैट को समेट कर साफ जगह पर रख दें।

4. यह देखा गया है कि योग कक्षाओं या

सार्वजनिक शिविरों में योगाभ्यास करने से लोगों में नियमितता ज्यादा होती है। इसलिए जो लोग नियमित अभ्यास नहीं कर पाते, उनके लिए ये अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

5. आज सोशल मीडिया पर योगासनों के वीडियो की भरमार है। यूं तो सभी आसनों के साथ कई विशेषताएं जुड़ी हुई हैं, लेकिन विशेष परिस्थितियों (बीमारी, सर्जरी, गर्भावस्था आदि) में हर योगासन हर व्यक्ति के लिए नहीं होता है। इसलिए शुरुआत में सरल योगासन चुनें और उन्हें कुशल योग प्रशिक्षक के निर्देशानुसार करें। अपने डॉक्टर से भी सलाह ले सकते हैं।

6. कोई व्यक्ति एक ही दिन में पूरा ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता। इसमें समय लगता है। यही बात योगाभ्यास के साथ जुड़ी हुई है। अगर दो-चार दिन अभ्यास के बाद कोई फायदा नजर नहीं आ रहा है तो निराश नहीं होना चाहिए। निरंतरता बनाए रखें और बाद में परिणाम देखें।

7. शुरुआत में ही कठिन योगासन न करें। इससे जल्दी थकान आ सकती है। साथ ही योगासन ठीक तरह से न होने से यह सोचते हुए रुचि कम हो सकती है कि 'मुझसे नहीं होगा'। सरल से कठिन की ओर जाएं। धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाएं।

8. जब योगाभ्यास की शुरुआत का मन बना चुके हैं तो कुछ खास बिंदु नोट कर लें, जैसे- वजन कितना है, लंबाई कितनी है, भूख कितनी लगती है, प्यास कितनी लगती है, पेट ठीक से साफ होता है या नहीं, नींद कितनी आती है, पसीना कितना आता है ...? योगाभ्यास के बाद हर हफ्ते इन बिंदुओं से संबंधित आंकड़े लिखें। इससे आपको लगातार योगाभ्यास के लिए प्रेरणा मिलेगी।

9. सिर्फ योगाभ्यास करना काफी नहीं है। इस दौरान अपनी दिनचर्या प्रकृति के अनुकूल बनाएं, गरिष्ठ पदार्थों का सेवन बंद या बिल्कुल कम कर दें, चाय-कॉफी पूरी तरह छोड़ दें तो बेहतर है या इनका सेवन कम कर दें, स्वास्थ्य को हानि पहुंचाने वाले पेय आदि बंद कर दें, उनकी जगह नींबू का शर्बत, छाछ आदि ले सकते हैं।

10. जिस तरह पढ़ाई या किसी अन्य महत्त्वपूर्ण कार्य में कामयाबी पाने के लिए योजना बनाते हैं, उसी तरह योगाभ्यास के लिए भी कम-से-कम एक महीने की योजना बनाएं। महान योगियों की जीवनी पढ़िए, उनके बारे में सोशल मीडिया पर उपलब्ध प्रेरक वीडियो देखिए। जो लोग आपको हतोत्साहित करें, उनकी ओर ध्यान न दीजिए। अपनी लगन के दम पर आगे बढ़ते जाएं।

जब यूजिनी पीटरसन बनीं इंद्रा देवी, योगाभ्यास करते हुए पाई 102 साल की उम्र

इंद्रा देवी विदेश में जन्मीं भारत की वह बेटी थीं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन योग के लिए समर्पित किया था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योगाभ्यास से शरीर और मन को तो रोगों से मुक्ति मिलती ही है, मनुष्य दीर्घायु भी पाता है। संतुलित आहार, प्रकृति के अनुकूल दिनचर्या और निरंतर योगाभ्यास ... ये ऐसे नियम हैं, जिनका पालन करने वाले कई योगाभ्यासियों ने लंबी उम्र पाई है।

यहां रूसी योगी यूजिनी पीटरसन का उल्लेख करना जरूरी है, जो बाद में इंद्रा देवी के नाम से विख्यात हुईं। बारह मई, 1899 को रूसी साम्राज्य (अब लातविया) के रीगा में जन्मीं इंद्रा देवी ने 102 साल की उम्र पाई थी। उनका स्वर्गवास 25 अप्रैल, 2002 को हुआ था यानी कुछ ही दिनों बाद उनका 103वां जन्मदिन आने वाला था।

वासिली पीटरसन और एलेक्जेंड्रा लाबुन्स्काया की संतान इंद्रा देवी की 'योगयात्रा' अचंभित करने वाली है। उनके परिवार या पड़ोस में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं था, जो उन्हें योग सिखाता। उनका परिवार काफी रूढ़िवादी था। वहीं, इंद्रा की रुचि अभिनय में थी और उन्होंने इसी का अध्ययन किया था। उनके पिता सेना में अधिकारी थे, जो गृहयुद्ध के दौरान लापता हो गए थे।

साल 1917 में बोल्शेविकों के सत्ता में आने पर इंद्रा और उनकी मां लातविया चली गईं, जहां उन्होंने निर्धनता में दिन काटे। वे साल 1921 में बर्लिन गईं और बतौर अभिनेत्री काम करने लगीं।

इंद्रा देवी साल 1926 में तेलिन की एक दुकान में लगे विज्ञापन से आकर्षित होकर नीदरलैंड में थियोसोफिकल सोसाइटी की बैठक में जिद्दू कृष्णमूर्ति

को सुनने गईं। वहां संस्कृत मंत्रों के जाप ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला। इस पर इंद्रा देवी ने कहा था, 'मुझे ऐसा लगा, जैसे मैं एक भूली हुई पुकार सुन रही हूं, एक जानी-पहचानी, लेकिन दूर की पुकार। उस दिन से मेरे अंदर सब कुछ उलट-पुलट हो गया।'

इससे पहले उन्होंने कवि रवींद्रनाथ टैगोर और योगी रामचरक की पुस्तकें पढ़ी थीं। अब उन्होंने पश्चिमी परिधानों की जगह भारतीय साड़ी पहननी शुरू कर दी और नवंबर 1927 में भारत जाने की तैयारियां शुरू कर दीं। यहां आकर उन्होंने अपना नाम इंद्रा देवी रखा। वे योग में रुचि लेने लगीं। उन्होंने यहां योग की शक्ति से अद्भुत कार्य करने वाले योगियों का उल्लेख किया है, जिनमें योगगुरु कृष्णमाचार्य का नाम भी शामिल है।

इंद्रा देवी योग में निपुण होने लगीं। उन्होंने पूरी तरह भारतीय खानपान और शाकाहार को अपना लिया। उनके साथ योग सीखने वाले कई छात्र बाद में विश्व प्रसिद्ध योग शिक्षक बने। इंद्रा देवी ने पश्चिम के अनेक देशों में योग की ज्योति जलाई। उन्होंने कई देशों में योगाभ्यास के शिविर लगाए और लोगों को इसके लिए प्रेरित किया। इंद्रा देवी विदेश में जन्मीं भारत की वह बेटी थीं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन योग के लिए समर्पित किया था।

पेट और पीठ की कई दिक्कतों का एक उपाय है- भुजंगासन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भुजंगासन एक ऐसा योगासन है, जो पेट और पीठ की कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करता है। संस्कृत में 'भुजंग' सांप को कहा जाता है। भुजंगासन का अभ्यास करते समय शरीर की आकृति फन उठाए हुए सांप जैसी हो जाती है। अंग्रेजी में इसे कोबरा पोज कहा जाता है। नियमित रूप से भुजंगासन करने के अनेक

लाभ हैं। इससे पेट और पीठ संबंधी कई रोग दूर रहते हैं। वहीं, यह आसन थकान को भी दूर करता है। आइए, जानते हैं भुजंगासन करने का तरीका ...

- सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। पांवों की अंगुलियां और माथा जमीन पर सीधा रखें।
- आपके पैर सीधे हों और एड़ियां भी एकसाथ हों। वहीं, दोनों हाथ कंधों के बराबर नीचें हों। अपनी कोहनियों को समानांतर रखें।
- अब लंबी सांस लें, धीरे-धीरे माथा ऊपर उठाएं। उसके बाद छाती, पेट को ऊपर उठाएं। नाभि जमीन पर रहे।
- शरीर को ऊपर उठाते जाएं, दोनों हाथों पर जोर डालते हुए कमर पीछे की तरफ खींचें। इस दौरान अपना वजन दोनों हाथों पर बराबर आना चाहिए।
- गर्दन को उठाएं तथा ऊपर देखें, जिस प्रकार सांप फन उठाकर देखता है।
- कुछ क्षण बाद सांस छोड़ते हुए पेट, छाती, माथे को वापस ज़मीन से लगाएं।
- शुरुआत में इसका दो से चार बार अभ्यास किया जा सकता है।

ये होते हैं फायदे

- पाचन क्षमता मजबूत करता है।
- तनाव दूर करने में सहायक है।
- रक्त परिसंचरण बढ़ाता है।
- पीठ का दर्द दूर करता है।
- थायराइड संबंधी समस्याओं में लाभदायक है।
- चित्त को प्रसन्नता देता है।

सावधानियां

- अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए ही शरीर को तानना चाहिए।
- रीढ़ की हड्डी पर हद से ज्यादा जोर न दें।
- अगर पेट या रीढ़ की सर्जरी हुई है तो इसे न करें।
- कमर को झटका न दें।

योग से मिला स्वस्थ जीवन का वरदान, चिकित्सा खर्च हुआ कम!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत और चीन के सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध हैं। प्राचील काल में जब अध्ययन के लिए छात्र चीन से भारत आते थे तो वे अपने साथ योग का दिव्य ज्ञान लेकर जाते थे। चीन में हान राजवंश के दौरान 202 ई.पू-220 ई. के बीच योग की लोकप्रियता के प्रमाण मिलते हैं। यह 21वीं सदी में और तेजी से लोकप्रिय हुआ।

चीन में ऐसे कई लोग हैं, जो यह खुलकर स्वीकार करते हैं कि योगाभ्यास के बाद उनके चिकित्सा खर्च में कमी आई है। चाइना डेली की एक रिपोर्ट के अनुसार, आज पूरे देश में योग की लोकप्रियता बढ़ रही है। बीजिंग में सेवानिवृत्त 67 वर्षीया ली चुनरू कहती हैं कि योग उनके दैनिक जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण है। वे हर सुबह और शाम को अभ्यास के लिए अपने घर से 10 मिनट की दूरी पर स्थित योग स्टूडियो जाती हैं।

वे बताती हैं, 'मेरी बेटी हमेशा कहती है कि मेरा स्वास्थ्य अच्छा रहे और एक बार जब वह विश्वविद्यालय के लिए घर से निकली, तो उसने मुझे दैनिक व्यायाम के रूप में योग करने की सलाह दी थी। इसलिए मैंने छह

साल पहले इसका अभ्यास शुरू किया था।' ली का शरीर उनकी उम्र से मेल नहीं खाता है। वे ज्यादा युवा नजर आती हैं। वे बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों से वार्षिक शारीरिक स्वास्थ्य जांच में उन्हें पूर्णतः स्वस्थ बताया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, पूरे चीन में बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद इस देश के योग आंदोलन के केन्द्र शंघाई और बीजिंग जैसे बड़े शहर बने हुए हैं, जहां लगभग एक तिहाई योग साधक रहते हैं। इन महानगरों में व्यस्त दिनचर्या के कारण लोग स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनका समाधान उन्हें योगाभ्यास में नजर आता है। वहीं, इन शहरों में योगाभ्यास केंद्रों का भी तेजी से प्रसार होता जा रहा है।

योग की लोकप्रियता में वृद्धि केवल चीन तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में नए अभ्यासकर्ताओं की संख्या बढ़ रही है।

वियतनाम की पान मियाओलिंग, जो योगाभ्यास में रुचि रखती हैं, का मानना है कि वे नई विचारों वाले लोगों से मिलकर नई ऊर्जा के साथ स्वदेश जाएंगी। इसी तरह एक और योगाभ्यासी किम कहते हैं कि उन्होंने डीएनए टेस्ट करवाया तो पाया कि उनके पूर्वज कोरिया, जापान और चीन से थे। वे कहते हैं कि दुनिया में हमेशा विभिन्न विवाद होते रहते हैं, हम सब लोग एक ही भाषा नहीं बोलते, लेकिन कई बातें हमें जोड़ती हैं। निश्चित रूप से योग भी उनमें से एक है, जो पूरी दुनिया को जोड़ता है।

खून-खराबा, छल-कपट और ड्रामा से भरपूर 'मिर्जापुर 3' का ट्रेलर

मुंबई/एजेन्सी

अमेजन प्राइम वीडियो की सबसे चर्चित वेब सीरीज 'मिर्जापुर 3' का ट्रेलर गुरुवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में फाइव स्टार होटल में लॉन्च किया गया। इस बार मिर्जापुर की कुर्सी को लेकर बेहद खतरनाक लड़ाई देखने को मिलेगी। ट्रेलर की शुरुआत में ही गुड्डू पंडित त्रिपाठी चौक पर लगी कालीन भैया की मूर्ति तोड़ते हुए दिखते हैं और डायलॉग बोलते हुए कहते है, 'लोगों को बताने का, कालीन भैया गॉन और गुड्डू पंडित ऑन।' पिछले सीजन की तरह, इस बार भी सीरीज में हत्या और खून खराबा देखने को मिलेगा। शो में श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली, हर्षिता शेखर गौर, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा लीड रोल में हैं।

मिर्जापुर के सिंहासन के लिए कालीन भैया और गुड्डू पंडित की टक्कर साफ देखने को मिलेगी। पिछले सीजन में बड़ा कांड करने के चलते इस सीजन में गुड्डू के दुश्मनों की संख्या बढ़ गई है। अब उनके पीछे कालीन भैया की फौज है। लेकिन यहां पर ट्विस्ट यह है कि कालीन भैया की बीवी गुड्डू के साथ है। ट्रेलर में वह कहती नजर आ रही हैं- 'गुड्डू पंडित को कोई चैलेंज नहीं कर सकता, ये मेसेज पूरे पूर्वांचल में गूंजना चाहिए।' इनके अलावा, गोलू गुप्ता का किरदार निभा रही श्वेता त्रिपाठी

इस बार लेडी डॉन के तौर पर सामने आएंगी। वह कुछ बड़ा करने की प्लानिंग में है।

ट्रेलर के आखिर में पंकज त्रिपाठी कुछ सेकंड के लिए नजर आते हैं और कहते हुए सुनाई देते हैं, 'ये गद्दी ये परंपरा... बाउजी और हमने बनाई थी। अब वो करवाएंगे जो पूर्वांचल के इतिहास में आज तक नहीं हुआ।' बता दें कि सीरीज में पंकज त्रिपाठी का किरदार कालीन भैया मिर्जापुर के किंग हैं। वह अपना सिंहासन बेटे मुन्ना को दे रहे थे, लेकिन मुन्ना की अब मौत हो चुकी है। ऐसे में इस पर हर कोई आंखें गड़ाए बैठा है। इस सीजन में देखना मजेदार होगा कि आखिर सत्ता किसके हाथ में होती है? डायरेक्ट गुरमीत सिंह ने कहा, 'मिर्जापुर' के पहले दो सीजन देश में स्ट्रीमिंग स्पेस में क्राइम थ्रिलर जॉनर के लिए गेम चेंजर साबित हुए। 'मिर्जापुर 3' के साथ हम इस नैरेटिव को एक नए स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें हर एक किरदार के जीवन के नए पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। हम इस सीजन को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। दर्शक मिर्जापुर के सिंहासन के लिए होने वाले संघर्ष को देखें।'' एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर द्वारा निर्देशित यह सीरीज 5 जुलाई से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है।

'अनोखा बंधन' के किरदार के लिए अपनी मां और सास से ली प्रेरणा : रिंकू घोष

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी एक्ट्रेस रिंकू घोष टीवी सीरियल 'अनोखा बंधन' में साधना का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए अपनी मां और सास से प्रेरणा ली। शो की कहानी सास और बहू के बीच के रिश्ते पर आधारित है। शो और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, रिंकू ने कहा: साधना एक बहुत ही प्यारी और देखभाल करने वाली मां है, जिसके कई शेड्स हैं। जब बात अपने बेटे वरदान की आती है, तो वह बहुत ही इमोशनल हो जाती है, लेकिन जब बात अपनी बहू की आती है, तो वह मजबूत और सपोर्टिव है।' उन्होंने कहा, शो की खासियत है कि यह सास और बहू के बीच के अनोखे रिश्ते पर आधारित है। वे एक-दूसरे की ताकत और सबसे अच्छी दोस्त हैं। दोनों के बीच एक खूबसूरत रिश्ता है।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, असल जिंदगी में भी मैं बहुत खुशकिस्मत रही कि मुझे बहुत ही सपोर्टिव सास मिली। आप कह सकते हैं कि साधना का किरदार निभाने के लिए मैंने अपनी दोनों मां, मेरी बायोलॉजिकल मां और मेरी सास से प्रेरणा ली। अपनी बहू के लिए सपोर्टिव और केयरिंग नेचर मेरी सास से आता है। और लुक, हाव-भाव और बात करने का अंदाज मेरी मां से प्रेरित है।''

शो में अपने को-स्टार्स के बारे में बात करते हुए, रिंकू ने कहा, हमारे पास एक से बढ़कर एक कलाकार है, और वे सभी बहुत कॉपरेटिव हैं। हमारा आपस में बहुत अच्छा बॉन्ड है, हमेशा एक-दूसरे की परफॉर्मेंस में मदद करते हैं। हमारे प्रोड्यूसर हम सभी को एक फैमिली की तरह महसूस कराते हैं, और इससे हमारा वर्कप्लेस घर जैसा लगता है।'' एक्ट्रेस ने कहा, इमोशनल सीन्स मेरी खूबी हैं। मुझे लगता है कि इमोशनल सीन्स करते समय मैं सबसे ज्यादा कंफर्टेबल महसूस करती हूं। मैं बस अपने किरदार की मानसिकता को महसूस करती हूं, और इससे मुझे भूमिका को निभाने में मदद मिलती है।'' 'अनोखा बंधन' सोमवार से शनिवार शाम 7 बजे दंगल पर प्रसारित होता है।

वार्ता के लिए दलाई लामा को अपने राजनीतिक प्रस्तावों में सुधार करना चाहिए : चीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग। चीन ने बृहस्पतिवार को तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाई लामा से कहा कि वह वार्ता के लिए अपने राजनीतिक प्रस्तावों पर विचार करते हुए उन्हें पूरी तरह से दुरुस्त करें। इसके साथ ही उसने अमेरिका से कहा कि वह तिब्बत से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता का सम्मान करे, क्योंकि वाशिंगटन एक सख्त तिब्बत नीति कानून पारित करने वाला है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि 14वें दलाई लामा के साथ केंद्र सरकार के संपर्क और संवाद के बारे में चीन की नीति सुसंगत और स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि मुख्य बात यह है कि 14वें दलाई लामा को अपने राजनीतिक प्रस्तावों पर गहनता से विचार करना चाहिए और उन्हें पूरी तरह से दुरुस्त करना चाहिए।

चीन ने अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की धर्मशाला यात्रा और दलाई लामा (88) के साथ उनकी बैठक पर करीबी नजर रखी। प्रतिनिधिमंडल की यात्रा ऐसे समय में हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों द्वारा पारित तिब्बत नीति विधेयक पर हस्ताक्षर करने वाले थे। बाइडन के हस्ताक्षर के बाद विधेयक कानून बन जाएगा। यह विधेयक तिब्बत पर अपने नियंत्रण के बारे में चीन के विमर्श का मुकाबला करने और चीनी सरकार एवं दलाई लामा के बीच संवाद को बढ़ावा देने पर जोर देता है, जो 1959 में हिमालयी क्षेत्र से भागने के बाद से भारत में रहते हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के धर्मशाला दौरे और दलाई लामा के साथ मुलाकात पर लिन ने कहा, हम अमेरिका से आग्रह करते हैं कि वह शिज़ांग संबंधित मुद्दों की संवेदनशीलता और महत्व को स्पष्ट रूप से देखे एवं शिज़ांग पर अपनी टिप्पणियों में चीन के मूल हितों का ईमानदारी से सम्मान करे, दलाई समूह के साथ किसी भी तरह की बातचीत से दूर रहे और दुनिया को गलत संदेश भेजना बंद करे। उन्होंने निर्वासित तिब्बत सरकार की कथित टिप्पणियों की भी आलोचना की कि वह अमेरिकी संसद द्वारा पारित नए तिब्बत कानून का उपयोग चीन को बातचीत की मेज पर आने के लिए बाध्य करने और अन्य देशों के साथ बातचीत के लिए दबाव डालने का आग्रह करने के लिए करेगी। लिन ने कहा, तथाकथित निर्वासित तिब्बत सरकार पूरी तरह से अलगाववादी राजनीतिक समूह और अवैध संगठन है जो चीन के संविधान और कानूनों का पूरी तरह से उल्लंघन करता है। इसे किसी भी देश ने मान्यता नहीं दी है।

भारत व अमेरिका अंतरिक्ष में सहयोग बढ़ाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। नासा प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी भारत के साथ सहयोग बढ़ाएगी तथा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर संयुक्त प्रयास करेगी जिसमें एक भारतीय यात्री को भी शामिल किया जाएगा। नेल्सन का बयान अमेरिका और भारत द्वारा एक तथ्यपत्र जारी किये जाने के बाद आया है। इस तथ्यपत्र में कहा गया है कि दोनों देश अमेरिका में इसरो के अंतरिक्षयात्रियों के लिए आधुनिक प्रशिक्षण शुरू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह तथ्यपत्र जारी किये जाने से पहले सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और (भारतीय) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बीच 'आईसीईटी (महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी पर भारत-अमेरिका की पहल)' वार्ता हुई थी।

नेल्सन ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, पिछले साल की मेरी भारत यात्रा के बाद आगे बढ़ते हुए नासा मानवता के फायदे के लिए महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी पर अमेरिका एवं भारत की पहल को बढ़ाती रहेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 21-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री सुधाकंवरजी के सान्निध्य में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में साध्वी श्री सुयशाश्रीजी ने गुरुवार को हनुमंतनगर जैन स्थानक में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार के भौतिक सुख क्षणिक, नाशवान है।

सुख और दुख जीवन के सिक्के के दो पहलू : सुधांशु महाराज

■ श्रीधाम आश्रम में हुई 'अमृत ज्ञान वर्षा' ■ जयनगर के पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में प्रवचन आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व जागृति मिशन के बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को राजनकुंटे स्थित श्रीधाम आश्रम में सुधांशुजी महाराज के मुखारविंद से 'अमृत ज्ञान वर्षा' चार दिवसीय प्रवचन श्रृंखला का शुभारंभ हुआ। सबसे पहले सभी श्रद्धालुओं ने आश्रम पहुंचने पर सुधांशुजी महाराज का जयकारों से स्वागत किया। विश्व जागृति मिशन के प्रमुख केके टांटिया सहित अनेक पदाधिकारियों ने सुधांशुजी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस प्रवचन श्रृंखला के पहले दिन विश्व जागृति मिशन के संस्थापक श्री सुधांशुजी महाराज ने अपनी प्रवचन माला में कहा कि यह संसार सुख व दुख का खेला है। जीवन में हमेशा सुख नहीं रहता और हमेशा दुख नहीं रहता। जिस प्रकार रात के बाद दिन का उजाला होता है उसी प्रकार किसी भी दुख के बाद सुख का आना निश्चित है, हमें दुख के समय में समभाव रखना जरुरी है। सुख और दुख जीवन के सिक्के के दो पहलू है। यह संसार ब्रह्मा अर्थात रचयिता, विष्णु अर्थात पालक और भगवान शिव यानी संहारक के तत्व से ही चलता है। मनुष्य का माथा शिव का द्योतक है इसलिए हमें हमेशा उसे शांत रखना चाहिए। नाभि ब्रह्मा की सूचक है अर्थात नाभि से ही किसी की रचना संभव है और हृदय भगवान विष्णु के समान है जो कि हमेशा दूसरे के हित के बारे में सोचता है।

सुधांशुजी महाराज ने कहा कि इन त्रिदेव की तीन शक्ति अर्थात माता सरस्वती, माता लक्ष्मी और माता दुर्गा का जो उपासक होता है उसका इस संसार में

कोई भी बाल बांका नहीं कर सकता। पारिवारिक रिश्तों की व्याख्या करते हुए महाराजश्री ने कहा कि जीवन में सबसे बड़ी मां की ममता है। जिसके जीवन में मां की ममता की छांव होती है उसका जीवन बसंत ऋतु समान सदाबहार होता है। हमारे पारिवारिक रिश्तों में प्रेम, प्यार, परस्पर समझ, दोस्ती व आदर सम्मान का तत्व होना चाहिए तभी हमें रिश्ते मधुर होंगे। रिश्तों को ठीक करने के लिए कर्मों को ठीक रखें। इस मौके पर बड़ी संख्या में दीक्षित श्रद्धालु परिवार सहित उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आरती की गई। इस मौके पर ट्रस्ट के प्रमुख कृष्ण केदार टांटिया के साथ सुभाष गोयल, गुलशन खन्ना, गोपाल लाढ, गोपाल चौरसिया, श्यामसुन्दर सुलतानिया, प्रमोद टांटिया, आदित्य टांटिया, नवीन अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सुधांशुजी महाराज ने श्रीधाम आश्रम का दौरा किया आश्रम में स्थित भगवान शंकर तथा गौसेवा की। ज्ञात है कि सुधांशुजी महाराज 21 जून को शाम 5 बजे से, 22 जून को सुबह 11बजे से व शाम 5 बजे से तथा 23 जून को सुबह 10 बजे से जयनगर स्थित पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में प्रवचन देंगे। 23 जून को ही प्रवचन के पश्चात गुरु दीक्षा कार्यक्रम भी रखा गया है।

'संसार के भौतिक सुख क्षणिक, नाशवान है, शाश्वत सुख आत्मा में विद्यमान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री सुधाकंवरजी के सान्निध्य में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में साध्वी श्री सुयशाश्रीजी ने गुरुवार को हनुमंतनगर जैन स्थानक में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार के भौतिक सुख क्षणिक, नाशवान है। अतः साधक को चिरस्थायी सच्चा सुख पाने के लिए हमें अपने अंतरमन की गहराई में जाकर चिंतन करने की जरूरत है।

उन्होंने श्रावक के 21 गुणों पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रावक को दीर्घदृष्टि वाला बनना चाहिए। अपने सुख दुःख का निर्णय दूसरों को देखकर नहीं बल्कि स्वयं के भूत, भविष्य, वर्तमान को देखकर करना चाहिए। भगवान महावीर ने संसारी जीवों को संयमित जीवन को सुखी जीवन का राजमार्ग बताया है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन के प्रेरक घटना सुनाई।अंत में साध्वीश्री सुधाकंवर जी म.सा. ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया। साध्वी मंडल का शुक्रवार का त्यागराजनगर की ओर विहार संभावित है। संघ के मंत्री सुरेशकुमार धोका ने सभा का संचालन किया।

जयशंकर ने श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व से वार्ता की, समुद्री बचाव समन्वय केन्द्र की औपचारिक शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत की तथा राष्ट्रपति के साथ भारत से 60 लाख अमरीकी डॉलर के अनुदान से निर्मित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। जयशंकर ने प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने से भी मुलाकात की और विकास एवं संपर्क पहल के माध्यम से भारत के मजबूत समर्थन को दोहराया। जयशंकर सुबह श्रीलंका पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रपति भवन में विक्रमसिंघे से मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं और बिजली, ऊर्जा, संपर्क, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विभिन्न द्विपक्षीय परियोजनाओं और पहलों पर हुई प्रगति की सराहना की। जयशंकर ने पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मार्गदर्शन में भारत-श्रीलंका के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई, विशेष रूप से बिजली, ऊर्जा, सम्पर्क, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में। हमारे पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों के निरंतर विकास के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे और जयशंकर ने श्रीलंका में समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) की पट्टिका का डिजिटल माध्यम से अनावरण किया और औपचारिक तौर पर केन्द्र की शुरुआत की। इसमें कोलंबो स्थित नौसेना मुख्यालय में एक केंद्र, हंबनटोटा में एक उप-केंद्र तथा गैले, अरुगम्बे, बट्टिकलोवा, त्रिंकोमाली, कल्लावा, प्वाइंट पेड्रो और मोलिकुलम में मानवरहित प्रतिष्ठान शामिल हैं।

पट्टिका के अनावरण के बाद जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समुद्री बचाव समन्वय केन्द्र की डिजिटल शुरुआत की साथ ही जीओआई आवासीय योजना के तहत 154 से अधिक मकान सौंपे।

राष्ट्रपति के मीडिया विभाग (पीएमडी) ने भी 'एक्स' पर कहा, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने भारतीय आवास परियोजना के तहत कैंडी, नुवरा एलिया और मटाले में संयुक्त रूप से 106 घरों की पट्टिका का डिजिटल माध्यम से अनावरण किया और कोलंबो तथा त्रिंकोमाली के प्रत्येक मॉडल गांव में 24 घरों को ऑनलाइन माध्यम से सौंपा गया।

रूस एवं उत्तर कोरिया के बीच समझौते की दक्षिण कोरिया ने तीखी आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुए उस समझौते की कड़ी निंदा की जिसमें युद्ध की स्थिति में आपसी रक्षा सहयोग की बात कही गई है। इसके साथ ही राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि वह यूक्रेन को (हथियारों की) आपूर्ति को सीमित करने की अपनी नीति पर पुनर्विचार करेगा। राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह टिप्पणी की। इससे पहले राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को प्योंगयांग में अपने शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के बीच हुए समझौते की निंदा करते हुए, एक बयान जारी किया।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बृहस्पतिवार को अपनी एक खबर में देश के नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के बीच प्योंगयांग में बुधवार को हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते की जानकारी दी। खबर में कहा गया है कि समझौते के अनुच्छेद चार के अनुसार अगर दोनों में से किसी भी देश पर हमला होता है या फिर युद्ध की स्थिति पैदा होती है तो दूसरे देश को बिना किसी विलंब के सैन्य एवं अन्य सभी प्रकार की सहायता प्रदान करनी होगी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल के कार्यालय ने अपने बयान में कहा कि यह समझौता दक्षिण कोरिया की सुरक्षा के लिए खतरा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है, और इसका रूस-दक्षिण कोरिया संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि दक्षिण कोरिया इसके जवाब में यूक्रेन को रूसी हमले से लड़ने में मदद के लिए हथियार मुहैया कराने के मुद्दे पर पुनर्विचार करेगा। दक्षिण कोरिया एक उभरता हथियार निर्यातक है और उसके पास अमेरिका समर्थित एक सुसज्जित सेना है। दक्षिण कोरिया ने रूस के खिलाफ अमेरिकी नेतृत्व वाले आर्थिक प्रतिबंधों में शामिल होने के दौरान यूक्रेन को मानवीय और अन्य सहायता प्रदान की है। लेकिन उसने अपनी पुरानी नीति का हवाला देते हुए यूक्रेन को सीधे हथियार नहीं दिए हैं।

यह बेतुका है कि युद्ध शुरू करने के इतिहास वाले दो पक्ष – कोरियाई युद्ध और यूक्रेन युद्ध – अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा हमले की आशंका के आधार पर आपसी सैन्य सहयोग का संकल्प ले रहे हैं, जो कभी नहीं होगा। इसमें कहा गया है कि सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होने के बावजूद उत्तर कोरिया का समर्थन करने और हमारी सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के रूस के फैसले से (दक्षिण कोरिया-रूस) संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। बयान के अनुसार सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रतिबंधों के प्रस्ताव का समर्थन किया है।

माहेश्वरी समुदाय के लोगों ने किया योग, मनाया योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन एवं माहेश्वरी युवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी भवन में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सचिव निर्मला काँकाणी ने जानकारी दी कि प्रारम्भ में भगवान उमा महेश की पूजा माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी, युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मन्त्री एवं माहेश्वरी सभा के सचिव अजय राठी, माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्य सुलोचना जाजू व माहेश्वरी फ़ाउंडेशन के सहचेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, योग प्रशिक्षिका स्नेहा सारड़ा व सुशीला माहेश्वरी ने दीप प्रज्वलित किया। प्रशिक्षिका का परिचय युवा संघ के सचिव कुशल जाजू व उपाध्यक्ष आयुषी काबरा ने दिया। योग प्रशिक्षिका का सम्मान किया गया।

प्रशिक्षिका स्नेहा सारड़ा व सुशीला माहेश्वरी ने उपस्थित जनों को विभिन्न प्रकार के योग के अभ्यास करवाए और आसन करवाए। धन्यवाद ज्ञापन गायत्री मालपानी ने दिया ।

नगर राजभाषा समिति की अर्धवार्षिक बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेंगलूरु। शहर के पांडेश्वर स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ऑडिटोरियम में नगर राजभाषा समिति (टीओएलआईसी) की 74वीं छमाही वार्षिक बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता बैंक की मेंगलूरु जोन प्रमुख एवं महाप्रबंधक रेनू के. नायर ने की। बैठक में क्षेत्रीय अनुष्ठान कार्यालय बेंगलूरु के उपनिदेशक, अनिर्बानकुमार विश्वास उपस्थित थे। बैठक में नगर राजभाषा समिति के सदस्य संगठनों, केंद्र सरकार के कई कार्यालयों, सरकारी स्वामित्व वाले संस्थानों, सार्वजनिक वित्त संस्थानों और अन्य राजभाषा अधिकारियों ने भाग लिया।

दक्षिण-पूर्व एशिया से संबंधों को मजबूत करने के प्रयास में वियतनाम पहुंचे रूस के राष्ट्रपति पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनोई। यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ चुके रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने बरसों पुराने साझेदार वियतनाम के साथ संबंधों को और मजबूत करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां राजकीय दौरे पर पहुंचे। पुतिन के यहां पहुंचने पर उनका स्वागत गणमान्य व्यक्तियों ने किया। पुतिन के स्वागत में सफेद पोशाक पहने सैनिक सावधान मुद्रा में खड़े हुए दिखाई दिये। पुतिन उत्तर कोरिया से यहां पहुंचे। पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत युद्ध की स्थिति में दोनों देशों ने एक-दूसरे की बिना किसी विलंब के सहायता का संकल्प लिया है। इस समझौते को शीत युद्ध की समाप्ति की बाद से मास्को और प्योंगयांग के बीच सबसे ज्यादा प्रभावी समझौता माना जा रहा है। दोनों ही देश पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते गतिरोध का सामना कर रहे हैं। हनोई में रूसी नेता वियतनाम के सबसे शक्तिशाली राजनेता और कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव गुयेन फू ट्रोंग, नये राष्ट्रपति टो लैम और अन्य अधिकारियों से मिलेंगे। देश में अमेरिकी दूतावास ने पुतिन की इस यात्रा की तीखी आलोचना की है।

पुतिन के वर्ष 2017 में वियतनाम के पिछले दौरे के बाद से बहुत कुछ बदल गया है। यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस, अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। द हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने वर्ष 2023 में युद्ध अपराधों के लिए पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था ।

अयोध्या में शुरू हुआ सरयू महोत्सव

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में बृहस्पतिवार को सरयू महोत्सव शुरू हुआ और इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान कर दर्शन-पूजन कर रहे हैं। ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा को सरयू का जन्मोत्सव मनाया जाता है उससे पहले आज से ही धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो जाएगा और पूजन तथा अर्चन का कार्य विशेष रूप से किया जाएगा । नित्य आरती के दरमियान भी मां सरयू के जन्मोत्सव को लेकर के विशेष आरती की जाएगी और इतना ही नहीं रामचरितमानस एवं रामायण के पाठों का परायण होगा तथा धूमधाम से सरयू का जन्मोत्सव 22 जून को ज्येष्ठ की पूर्णिमा के दिन मनाया जाएगा।

श्रद्धालुओं ने सरयू महोत्सव मनाने के लिए घाटों पर पूजा-अर्चना की और अनुष्ठान किए। स्थानीय प्रशासन ने महोत्सव और इसमें शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की है। स्थानीय पुजारी ओम प्रकाश पांडे ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया, 22 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर सरयू जयंती मनाई जाएगी। सरयू महोत्सव से शुरू होकर, सरयू जयंती के लिए शुभ समय निर्धारित किए गए हैं। इसकी शुरुआत आज 22 तारीख को मुख्य कार्यक्रम के साथ हुई। हजारों श्रद्धालु प्रार्थना कर रहे हैं और सरयू महोत्सव का आनंद ले रहे हैं।

देवी पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बापूजी नगर क्षेत्र में आयोजित दौड्डताई अम्मा देवी उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com